सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 56 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, सोमवार 09 दिसंबर 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

वैश्विक पर्यटन नक्शे में शामिल हुआ जशपुर, वेबसाइट से मिलेगी यहां के टूरिज्म की जानकारी

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा- वैश्विक पर्यटन नक्शे जशपुर का शामिल होना प्रदेशवासियों के लिए गर्व का विषय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ को पर्यटन के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए सार्थक प्रयास किए जा रहे हैं और उसका सकारात्मक परिणाम भी देखने को मिल रहा है। अब देशभर के पर्यटन प्रेमी जशपुर की हरी-भरी वादियों की जानकारी के लिए पर्यटन वेबसाइट www.easemytrip.com का उपयोग कर सकते हैं। जशपुर पर्यटन वेबसाइट में शामिल होने वाला प्रदेश का पहला जिला बन गया है। अब पर्यटन वेबसाइट के माध्यम से पर्यटन प्रेमियों को जशपुर के नैसर्गिक जगहों की जानकारी आसानी से मिलेगी।

इस उपलब्धि के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रदेशवासियों को बधाई दी। उन्होंने कहा है कि वैश्विक पर्यटन के नक्शे में जशपुर जिले का शामिल होना सभी प्रदेशवासियों के लिए गर्व का विषय है। छत्तीसगढ़ में पर्यटन के क्षेत्र को समृद्ध बनाने हेतु हमारी सरकार कृत संकल्पित है। उल्लेखनीय है कि जिला प्रशासन द्वारा जशपुर में पर्यटन को बढ़ावा देने के क्षेत्र में अनेक गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। छत्तीसगढ़ के उत्तरी भाग में स्थित जशपुर जिला शहरी जीवन शैली से और भागदौड़ की जिंदगी से सुकून का अहसास दिलाता है। जशपुर की प्राकृतिक सुंदरता पूरे देश में एक अलग स्थान रखती है।

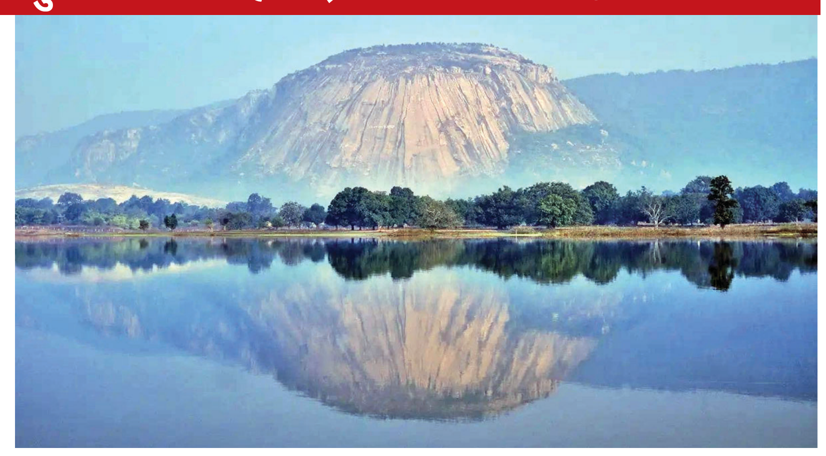

जशपुर में आकर्षक पर्यटक स्थलों का ले सकते हैं आनंद

जशपुर जिले में आकर्षक पर्यटक स्थलों का आनंद लिया जा सकता है। यहां पर घूमने फिरने के लिए कई स्थल है जहां पर्यटकों को सुकून मिलता है। जशपुर में रूकने के लिए एक सुंदर और आकर्षक सुविधा युक्त सरना एथनिक रिज़ॉर्ट है। जशपुर में दमेरा, देशदेखा, चाय बगान, सोगड़ा आश्रम, रानीदाह वाटर फॉल, बगीचा विकास खंड में कैलाश गुफा, खुडियारानी, राजपुरी, दनगरी , मकरभंजा, कुनकुरी विकास खंड में एशिया का सबसे दूसरा बड़ा चर्च, मधेश्वर पहाड़ सबसे बड़ा शिवलिंग, मयाली नेचर कैम्प आदि बहुत सारे पर्यटन स्थल का आनंद लिया जा सकता है।

प्रकृति को जानने का आदर्श स्थान

प्रकृति को नजदीक से जानने के लिए जशपुर एक आदर्श स्थान है। चाहे वह हरे-भरे चाय बागान हो , रॉक क्लाइम्बिंग का रोमांच हो, आदिवासी समुदायों की जीवंत परंपराओं को नजदीक से जानना हो, जशपुर हर यात्री के लिए एक अनूठा अनुभव प्रदान करता है। अपने मनमोहक परिदृश्य, ठंडी जलवायु और आदिवासी संस्कृति, रीति रिवाज, रहन-सहन, खान-पान, पारंपरिक व्यंजन और आत्मीयता से समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के साथ, जशपुर एक ऐसा अनुभव प्रदान करता है जो यात्रा के बाद लंबे समय तक पर्यटकों के साथ रहता है।

खास-खबर

आवासीय विद्यालय में 8वीं की छात्रा 7 महीने की गर्भवती, मचा हड़कंप

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में आदिवासी बच्चों के लिए संचालित आवासीय विद्यालय में पढ़ने वाली 8वीं की छात्रा 7 माह की गर्भवती है। बताया जा रहा है कि छात्रा 15 दिन से स्कूल नहीं आ रही थी। प्रेग्नेंसी के बारे में पता चलते ही प्रबंधन ने छात्रा का स्वास्थ्य परीक्षण कराया, जिसमें गर्भधारण की पुष्टि हुई।

मिली जानकारी के मुताबिक 8वीं की छात्रा आवासीय विद्यालय में रहकर पढ़ाई कर रही है। इसी बीच वह अचानक स्कूल आना बंद कर दी। जब छात्रा को लेकर स्कूल की शिक्षिकाओं ने उसकी सहेलियों से बातचीत की, तो पता चला कि वह गर्भवती हो गई। गर्भवती होने की खबर जब फैलने लगी तो आवासीय विद्यालय की अधीक्षिका और प्रधान अध्यापिका ने उच्च अधिकारियों को मामले की जानकारी दी। इसके बाद जिला प्रशासन तक मामला पहुंचा। चाइल्ड प्रोटेक्शन कमीशन की टीम विद्यालय पहुंचकर मामले की जांच की। इसके बाद थाने में दर्ज कराई गई है।

इधर इस मामले में आवासीय विद्यालय की प्रधानाध्यापिका ने बताया कि उन्हें इसकी जानकारी नहीं है। बच्चे छुट्टी में जाते हैं, वहीं ये सब होता है। बच्चों का मेडिकल टेस्ट अधीक्षिका करवाती हैं। सुकमा खंड शिक्षा अधिकारी सुखराम देवांगन ने कहा कि आवासीय विद्यालय की एचएम ने मामले में उन्हें कोई जानकारी नहीं दी है। वहीं जिला मिशन समन्वयक उमा शंकर तिवारी भी मामले से पल्ला झाड़ते नजर आए। उन्होंने कहा कि मुख्यालय से बाहर होने की वजह से उन्हें जानकारी नहीं है। चाइल्ड प्रोटेक्शन कमीशन वालों को पता होगा।

10 दिसंबर से पड़ सकती है कड़ाके की ठंड, बादल छाने से बदला मौसम

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मौसम बदला हुआ है। आसमान पर काले बादल छाए हुए हैं। पिछले दिनों की अपेक्षा न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी देखी जा रही है। छत्तीसगढ़ में सोमवार से 1 डिग्री तापमान बढ़ने का अनुमान है। रविवार को आसमान पर बादल छाए रहे। मौसम विभाग का कहना है कि 10 दिसंबर से ठंड बढ़ेगी।

बता दें दिसंबर आने तक लोगों को कड़ाके की ठंड से गुजरना पड़ता था, लेकिन इस बार नवंबर महीने में कुछ दिनों तक ही ठंड का असर महसूस हुआ। अब दिसंबर महीना शुरू हो चुका है। पिछले साल के मुकाबले ठंड का कोई खास असर देखने को नहीं मिल रहा है। मौसम विभाग की रिपोर्ट के अनुसार आने वाले 2 दिनों में न्यूनतम तापमान में गिरावट की संभावना है।

छत्तीसगढ़ गृहनिर्माण मंडल बनाएगा 1650 आवास सीएम साय ने किया 7 परियोजनाओं का शुभारम्भ

सरकार देगी ईडब्ल्यूएस भवनों में 80 हजार व एलआईजी भवनों में मिलेगी 40 हजार रुपए की सब्सिडी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में अटल विहार योजना के अंतर्गत छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल की 7 आवासीय परियोजनाओं का शुभारंभ किया। इसके तहत 07 विभिन्न स्थानों पर भूरकोनी रायपुर, पथर्रा राजिम, खरतुली धमतरी, सिहाद धमतरी, पुलगांव दुर्ग, गुरूर बालोद एवं कोकड़ापारा बीजापुर में ईडब्ल्यूएस, एलआईजी और एमआईजी श्रेणी के आवास बनाए जाएंगे। लगभग 300 करोड रुपए की लागत की इन परियोजनाओं के तहत 1650 मकान बनाए जाएंगे। इस योजना में पूर्व में घोषित अनुदान को जारी रखते हुए ईडब्ल्यूएस भवनों में 80 हजार रुपए एवं एलआईजी भवनों में 40 हजार रुपए अनुदान राज्य शासन द्वारा दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस अवसर पर कहा कि हमारी सरकार के एक वर्ष पूरे होने जा रहे हैं। इस अवसर पर राज्य सरकार द्वारा अटल विहार योजना प्रारंभ की जा रही है ताकि जरूरतमंदों को विशेष रूप से शहरी क्षेत्र के

लोगों को किफायती दर पर मकान उपलब्ध कराए जा सकें। शुरू की गई आवासीय परियोजनाओं में ईडब्ल्यू.एस और एलआईजी श्रेणी के 1452 आवास तथा एमआईजी श्रेणी के 200 आवास बनाए जाएंगे। हितग्राही भवनों का ऑनलाईन पंजीयन वेबसाईट (www.cghb.gov.in) के माध्यम से घर बैठे कर सकेंगे।

50,000 आवास निर्माण का लक्ष्य

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा हर शहरी गरीब परिवारों को आवास मिले, इस उद्देश्य से प्रधानमंत्री आवास योजना लागू की गई है। इससे प्रेरणा लेते हुए हमारी राज्य सरकार ने छत्तीसगढ़ के विभिन्न शहरों एवं विकासखंड में रह रहे आवासहीन अथवा कच्चे भवन के स्थान पर किफायती एवं पक्के छत युक्त आवास उपलब्ध कराने के लिए 'अटल विहार योजना प्रारंभ की है, जिसके तहत हाउसिंग बोर्ड द्वारा 50,000 भवनों का निर्माण कर आबंटन का लक्ष्य निर्धारित किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अटल विहार योजना के लिए हाउसिंग बोर्ड को एक रुपए प्रति वर्ग फुट पर शासकीय भूमि उपलब्ध कराई जा रही है इस संबंध में प्रदेश के सभी जिला कलेक्टर्स को निर्देश दिये गये है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के सचिव पी दयानंद, आवास एवं पर्यावरण विभाग के सचिव अंकित आनंद, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के सचिव बसव राजू एस, आयुक्त छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल कुंदन कुमार सहित छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

गुणवत्ता के साथ किया जाएगा आवासों का निर्माण

वित्त तथा आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओपी चौधरी ने इस अवसर पर कहा कि अटल विहार योजना के तहत आवासों का निर्माण गुणवत्ता के साथ किया जाएगा। इस योजना वर्ष 2012 में प्रारंभ की गई। इस योजना में राज्य के लोगों की मांग को प्राथमिकता देते हुए हमारी सरकार द्वारा अभी हाल ही में 26 नवम्बर 2024 को योजना के तहत राजधानी रायपुर के साथ - साथ दूरस्थ बीजापुर जिले में भी मकान बनाए जाएंगे। जल्द ही यह योजना सभी जिलों में शुरू होगी। हाउसिंग बोर्ड द्वारा नियमित भवनों को फ्री-होल्ड करने की आयोजित कैबिनेट की बैठक में फ्री-होल्ड किये जा रहे भवनों में डायवर्सन शुल्क एवं पेनाल्टी में शत प्रतिशत छूट प्रदान की गई है, इससे हाउसिंग बोर्ड के लगभग 80 हजार हितग्राहियों को राहत मिलेगी।

दो घंटे ठप रही आईआरसीटीसी वेबसाइट टिकट बुकिंग-कैंसिलेशन सब था बंद

श्रीकंचनपथ न्यूज

नई दिल्ली ए.। आईआरसीटीसी की वेबसाइट आज सुबह ही ठप हो गई है। हैरान करने वाली बात यह है कि तत्काल टिकट बुकिंग के समय ही आईआरसीटीसी की साइट ठप हो गई। आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर मैसेज मिल रहा है फिलहाल मेंटेनेंस का काम चल रहा है। इसलिए अगले 1 घंटे तक कोई बुकिंग नहीं होगी। कई यूजर्स ने भी सोशल मीडिया पर आउटेज को लेकर शिकायतें की हैं।

डाउनडिटेक्टर ने भी वेबसाइट के आउटेज की पुष्टि की है। आईआरसीटीसी की सर्विस डाउन होने के बाद एक्स पर तत्काल और आईआरसीटीसी दोनों कीवर्ड ट्रेंड कर रहे हैं। आमतौर पर मेंटेनेंस का काम रात में 11 बजे के बाद होता है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि कहीं यह साइबर अटैक तो नहीं है।

अपडेट- वेबसाइट सोमवार सुबह 10 बजे के पहले से ही डाउन था। साइट पर जाने पर मेंटेनेंस का ही मैसेज मिल रहा था। रेलवे या आईआरसीटीसी की ओर से कोई बयान नहीं आया है कि आखिर वेबसाइट डाउन क्यों है। सुबह 10-11 बजे के बीच तत्काल टिकट की बुकिंग होती है। आईआरसीटीसी के एप और मोबाइल दोनों में दिक्कत आने के कारण टिकट बुक नहीं हो पाई जिससे कई यात्रियों को टिकट नहीं मिली।

राजधानी के 40 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी ई-मेल कर 30 हजार डॉलर की मांग कई स्कूल बंद

■ जांच में जुटी दिल्ली पुलिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

नई दिल्ली ए.। राजधानी 40 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी ने हड़कंप मचा दिया है। ई-मेल के जरिए अज्ञात ने 30 हजार डॉलर देने की मांग की है और नहीं देने पर 40 स्कूलों को उड़ाने की धमकी दी। ई-मेल करने वाले ने स्कूलों में बम छिपाने का भी दावा किया है। धमकी के बार कई स्कूलों में छुट्टी दे दी गई है। वहीं दिल्ली पुलिस जांच पड़ताल में लग गई है।

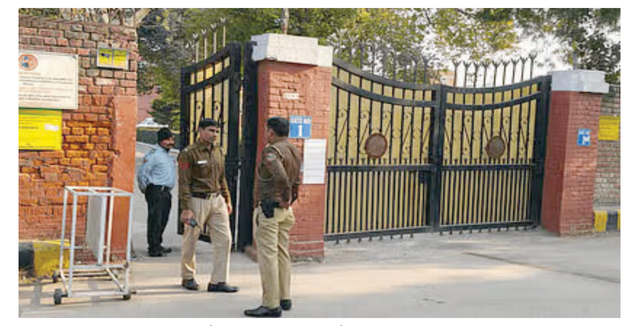

मिली जानकारी के अनुसार सोमवार को दिल्ली के कई स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली। जिसमें डीपीएस आर के पूरम और पश्चिम विहार के जीडी गोयनका स्कूल, मदर मैरी स्कूल, ब्रिटिश स्कूल, सलवान पब्लिक स्कूल, कैम्ब्रिज स्कूल समेत कई स्कूल शामिल हैं। जिसके बाद स्कूलों ने बच्चों को वापस घर भेज दिया है। कई स्कूल बंद हो गए हैं। बम की धमकी के बाद फायर ब्रिगेड और पुलिस जानकारी दी गई है और जांच शुरू कर दी गई है।

दिल्ली पुलिस ने बताया कि 40 से ज्यादा स्कूलों को ई-मेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली है। ई-मेल करने वाले ने लिखा है कि मैंने इमारतों के अंदर कई बम लगाए हैं। बम छोटे हैं और बहुत अच्छी तरह से छिपाए गए हैं। इससे इमारत को ज्यादा नुकसान नहीं होगा, लेकिन बम फटने से कई लोग घायल हो जाएंगे। 30,000 डॉलर नहीं मिले तो मैं बम विस्फोट कर दूंगा। इस धमकी के बाद पुलिस ई-मेल एड्रेस के जरिए बदमाश को पकड़ने की कोशिश कर रही है। वहीं सुरक्षा के लिहाज से सभी स्कूलों में छुट्टी कर दी गई है।

रील्स और शॉट्र्स निभा रही सौत की भूमिका

श्रीकंचनपथ

सोशल मीडिया न केवल लोगों से जुड़ने और लाइक्स बटोरने के काम आता है बल्कि सही संख्या में फॉलोअर्स मिल जाने पर इससे अच्छी खासी कमाई भी हो सकती है. कमाई का मुख्य जरिया है रील्स और शार्ट्स। ये छोटे-छोटे वीडियो होते हैं जिसमें इंफ्लूएंसर या तो मस्ती कर रहा होता है या फिर कोई मजेदार जानकारी बढ़िया ढंग से दे रहा होता है। पर अब ये रील्स और शॉर्ट्स सौत की भूमिका निभा रहे हैं। तलाक से जुड़े मध्यप्रदेश के छह शहरों के आंकड़े जब सामने आए तब जाकर इसकी गंभीरता का अंदाजा हुआ। इन छह शहरों में 2020 के मुकाबले 2024 में 14 गुना अधिक मामले तलाक के दर्ज हुए। इन मामलों में से 60 फीसदी से अधिक मामले सोशल मीडिया से जुड़े हुए हैं। कुछ मामले तो बेहद रोचक हैं। पति का किसी और महिला के साथ रील्स देख लिया तो पत्नी ने तलाक की अर्जी लगा दी। पत्नी रील्स से 20 हजार रुपए महीना कमाने लगी तो पति ने विवाह विच्छेद का मामला लगा दिया। तलाक मांगने वालों में ज्यादा संख्या पतियों की है। अब तक तलाक के अधिकांश आवेदन महिलाओं की तरफ से आते थे। महिलाएं घरेलू हिंसा, दहेज प्रताड़ना, पति के अवैध संबंध, शराब पीना जैसी शिकायतों के साथ परिवार न्यायालय पहुंचती थीं। पर अब कहानी उलटी हो गयी है। पति कह रहे हैं कि पत्नी दिन भर रील्स बनाने में लगी रहती है। इसके कारण उसका शॉपिंग का खर्चा बढ़ रहा है। परिवार की तरफध्यान नहीं दे रही है जिससे बच्चे लावारिस हो गये हैं। पर इसका एक पहलू और है। ज्यादा से ज्यादा फॉलोअर्स बटोरने के चक्कर में महिलाएं ऐसी अश्लीलता पर उतर आई हैं जिनकी सी ग्रेड फिल्मों तक में इजाजत नहीं होती। कोई कॉलगर्ल बनकर अपने ग्राहक से गंदी बात कर रही है तो कोई आंगन में बैठकर अश्लील इशारे कर रही है। एक जोड़ा तो कभी पति-पत्नी बनकर तो कभी नौकर मालकिन बनकर बेहयाई की सारी हदें पार रहा है। आम मान्यता यही है कि भारत की संस्कृति को बाहरी लोगों ने नुकसान पहुंचाया। पर अब तो ऐसा लगता है कि आजादी ही हमारा सबसे बड़ा दुश्मन है। हर हाथ में मोबाइल और हर मोबाइल में कैमरा आते ही लोगों की दबी हुई इच्छाएं बाहर निकलने लगी हैं। वैसे सोशल मीडिया केवल गंद ही नहीं फैला रहा। इसपर बंटने वाले ज्ञान ने भी लोगों का बंटाढार कर रखा है। रोजगार से लेकर स्वास्थ्य और परिवार की खुशहाली के रोज नए टोटके इसपर आते हैं। आधी-अधूरी और भ्रामक खबरों ने अलग रायता फैला रखा है। देश की पूरी राजनीति अब एक्स पर चल रही है। इस प्लैटफॉर्म का नाम कभी ट्विटर हुआ करता था। चहकने की उम्मीद टूटते ही इसका नाम एक्स हो गया। अंग्रेजी का एक्स हिन्दी का कट-पिट है। जिसे पढ़कर भुला देना चाहिए था वह अब राजनीति की दिशा तय कर रहा है।

संपादकीय

तेजी से बढ़ी महंगाई

महंगाई और सामान्य आमदनी ना बढ़ने से ग्रस्त भारतीय अर्थव्यवस्था में सबसे पहली चोट 50,000 रुपये मासिक से कम आय वाले परिवारों पर पड़ी। अब 50 हजार से एक लाख रुपए आमदनी के बीच वाले परिवार प्रभावित हो रहे हैं।

बाजार की एजेंसियां जब मध्य वर्ग के ह्रास की बातें करने लगें, तो समझा जा सकता है कि आर्थिक संकट कितना गहरा हो चुका है। मध्य वर्ग किसी अर्थव्यवस्था की रीढ़ होता है। यही तबका है, जिसके उपभोग की आकांक्षाएं लगातार बढ़ रही होती हैं। मध्य वर्ग का आकार बढ़ रहा हो, तो अर्थव्यवस्था में मांग, निवेश, उत्पादन और वितरण का चक्र स्वाभाविक रूप से तेज होता जाता है। यह आर्थिक विकास का वास्तविक पैमाना है। मगर भारत में कहानी पलट चुकी है। सबसे पहले इससे छोटी कारों आदि जैसी टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुएं बनाने वाली कंपनियां प्रभावित नजर आईं।

> एक अन्य रिपोर्ट में जिक्र है कि महंगाई और सामान्य आमदनी ना बढ़ने से ग्रस्त भारतीय अर्थव्यवस्था में सबसे पहली चोट 50,000 रुपये मासिक से कम आय वाले परिवारों पर पड़ी। अब 50 हजार से एक लाख रुपए आमदनी के बीच वाले परिवार प्रभावित हो रहे हैं। यही तबका मुख्य उपभोक्ता वर्ग रहा है। उसके बिगड़े का नतीजा है कि पूरी उपभोक्ता अर्थव्यवस्था दुश्चक्र फंसती नजर आ रही है।

फिर रोजमर्रा के उपभोग की वस्तुओं की उत्पादक कंपनियों के अधिकारी कहते सुने गए कि भारत में जो मध्य वर्ग होता था, वह सिकुड़ रहा है, जिससे कंपनियों का कारोबार प्रभावित हुआ है। फिर वित्तीय अखबारों में इसकी पड़ताल करते हुए लंबी रिपोर्टें छपने लगीं कि आखिर मध्य वर्ग को हुआ क्या है। इनमें भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों का उल्लेख कर बताया गया कि सकल घरेलू उत्पाद की तुलना में घरेलू बचत का अनुपात 50 साल के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया है। कारण अनसिक्योर्ड ऋण की मात्रा का बढ़ना है, जिसे चुकाने की जद्दोजहद में बचत के लिए कुछ बचता ही नहीं है। अब मार्केट एजेंसियां इस पर रिपोर्ट जारी कर रही हैं। ताजा रिपोर्ट मार्सेलस इन्वेस्टमेंट मैनेजर्स की आई है।

उसके मुताबिक पहले रूटीन नौकरियां मध्य वर्ग का आधार थीं, लेकिन ऑटोमेशन एवं नई तकनीक के उपयोग के कारण ये तेजी से खत्म हो रही हैं। मार्सेलस ने दूसरी वजह घरों का बजट बिगड़ना बताया है। स्पष्टतः इसकी वजह तेजी से बढ़ी महंगाई के कारण परिवारों की घटी वास्तविक आय है। एक अन्य रिपोर्ट में जिक्र है कि महंगाई और सामान्य आमदनी ना बढ़ने से ग्रस्त भारतीय अर्थव्यवस्था में सबसे पहली चोट 50,000 रुपये मासिक से कम आय वाले परिवारों पर पड़ी। अब 50 हजार से एक लाख रुपए आमदनी के बीच वाले परिवार प्रभावित हो रहे हैं। यही तबका मुख्य उपभोक्ता वर्ग रहा है। उसके बिगड़े का नतीजा है कि पूरी उपभोक्ता अर्थव्यवस्था दुश्चक्र फंसती नजर आ रही है।

नौकरशाही से जुड़ी अनावश्यक बाधाएं समाप्त

ए.के. खंडेलवाल

भारतीय रेल और पीएम गतिशक्ति-नेशनल मास्टर प्लान (पीएमजीएस-एनएमपी) के बीच साझेदारी भारत के बुनियादी ढांचे के विकास में मांग के अनुरूप परिवर्तनकारी (गेमचेंजर) भूमिका निभा रही है। इस एकीकृत दृष्टिकोण ने बुनियादी ढांचे से जुड़े मंत्रालयों और रेलवे जोन के बीच समन्वय को उल्लेखनीय तरीके से बेहतर बनाया है, जिससे परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान करने में तेजी आई है। इस पहल ने परियोजनाओं के सर्वेक्षण को मंजूरी देने में आम तौर पर लगने वाले 4-5 महीनों के समय को घटा कर सात दिन कर दिया है। इससे पूरे रेलवे नेटवर्क की दक्षता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। 2022-23 के दौरान कुल 458 परियोजनाओं के सर्वेक्षणों को मंजूरी दी गई जबकि पहले यह संख्या लगभग 50 थी। जहां रेलवे ने ऐतिहासिक रूप से अन्य सरकारी एजेंसियों के साथ समन्वय किया है, वहीं पीएमजीएस के माध्यम से उन्नत डिजिटल प्लेटफार्मों एवं वास्तविक समय में निगरानी का लाभ उठाते हुए परिवहन के विभिन्न साधनों के एकीकरण ने देश के बुनियादी ढांचे के इकोसिस्टम में क्रांति ला दी है।

पीएमजीएस का सबसे व्यापक प्रभाव विभागीय अवरोधों को तोडना है। परंपरागत रूप से सात अलग-अलग विभाग रेलवे के बुनियादी ढांचे के विकास से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर स्वतंत्र रूप से काम करते हैं। परिणामस्वरूप अनावश्यक देरी और अक्षमताएं पैदा होती हैं। अंतरविभागीय संवाद को बढ़ावा देने और डिजिटल प्लेटफार्मों का लाभ उठाने से परियोजनाओं को मंजूरी प्रदान करने में तेजी आई है और नौकरशाही से जुड़ी अनावश्यक बाधाएं समाप्त हो गई हैं।

पीएमजीएस के कार्यान्वयन से योजना निर्माण में काफी सुधार आया है। गतिशक्ति के आने से पहले जहां प्रत्येक वर्ष 6-7 परियोजनाएं ही स्वीकृत होती थीं, वहीं वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान 73 परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं। इस एक वित्तीय वर्ष में सर्वाधिक रिकॉर्ड हैं। कुल 5,309 किमी. नई लाइन, दोहरीकरण और गेज परिवर्तन की परियोजनाओं के पूरा होने के साथ परियोजनाओं के अंतिम रूप से कार्यान्वित होने का रिकॉर्ड भी काफी ऊपर पर पहुंच गया। रेल विद्युतीकरण 7,188 रूट किमी. (आरकेएम) के सार्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया है और ट्रैक कमीशनिंग की गति 4 किमी. प्रति दिन से बढ़कर 15 किमी. प्रति दिन हो गई है। प्रभावी रूप से पीएमजीएस-एनएमपी कहां, क्या और कब की विस्तृत मैपिंग के माध्यम से बुनियादी ढांचे की भविष्योन्मुखी योजनाएं बना रहा है। इसमें सामाजिक-आर्थिक बुनियादी ढांचे, ट्रंक एवं उपयोगिता नेटवर्क, मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी, पर्यटन स्थल, भूमि राजस्व मानचित्र और वन सीमाओं से जुड़े सटीक एवं व्यापक आंकड़ों का समावेश है। ये जानकारियां परियोजनाओं के योजना निर्माण और कार्यान्वयन की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण हैं।

सभी परियोजनाओं की जांच (एनपीजी) नेटवर्क प्लानिंग ग्रुप द्वारा की जाती है, जिसमें अतिरेक और निर्माण के बाद केबल/पाइप बिछाने के लिए नई बनी सड़कों को तोडने जैसी स्थितियों से बचते हुए समन्वित योजना निर्माण हेतु बुनियादी ढांचे से संबंधित सभी मंत्रालय शामिल हैं। उदाहरण के लिए हाउसिंग सोसाईटियां अब निवासियों के आने से पहले सीवेज, बिजली तथा अन्य सुविधाओं से लैस होंगी और कार्रवाई के लिए शिकायतों के आने का इंतजार नहीं किया जाएगा। मांगों के बढने से पहले ही विस्तारित हो रहे उपनगरों के पास स्थित गोदामों को समय पर सड़क कनेक्टिविटी मिलेगी और विस्तार के दौर से गुजर रहे बंदरगाहों को पर्याप्त रेलवे निकासी और मल्टीमॉडल लिंक का लाभ मिलेगा।

योजना निर्माण की इस कुशल क्षमता को भास्कराचार्य नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्पेस एप्लिकेशन एंड जियो-इंफॉर्मेटिक्स (बीआईएसएजी-एन) द्वारा समर्थित किया गया है, जिसने पीएमजीएस-एनएमपी को विकसित करने में महती भूमिका निभाई है। गतिशक्ति की सफलता का महत्त्वपूर्ण पहलू बुनियादी ढांचे की उन प्रमुख परियोजनाओं को प्राथमिकता देने में निहित है, जिनका कनेक्टिविटी, दक्षता और लॉजिस्टिक्स को बेहतर बनाने पर अधिकतम प्रभाव पड़ेगा। रेलवे अब शुरु आती और अंतिम छोर तक की कनेक्टिविटी के लिए आर्थिक केंद्र, खदानें, बिजली संयंत्र और लॉजिस्टिक्स हब जैसे महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों की पहचान कर सकता है और मांग से पहले माल ढुलाई गलियारे एवं बंदरगाह कनेक्टिविटी परियोजनाओं की योजना बना सकता है।

नजरिया

आजादी के दशकों बाद भी सड़कों के हाल बेहाल

आज के सूचना प्रौद्योगिकी के युग में एक से बढ़कर एक गुणवत्ता वाले कैमरे उपलब्ध हैं जो इन सभी पहलुओं को पकड़ सकते हैं। जरूरत केवल सही सोच और पहल करने की इच्छा की है। देखना यह है कि हमारे देश में ऐसे बदलाव कब होंगे? केवल चुनावी घोषणाओं के चलते नये-नये राजमार्ग खोलने से कुछ नहीं होगा। सड़क और यातायात नियमों को सख्ती से लागू भी किया जाए। शायद तभी हमारे देश में सड़क दुर्घटनाओं में कमी आए।

रजनीश कपूर

जब भी कभी हम विदेशों की सड़कें और राजमार्गों पर फर्राटे से दौड़तीं गाडियों को देखते हैं तो मन में यही सवाल उठता है कि हमारे देश में ऐसे दृश्य कब दिखेंगे। आजादी के इतने दशकों बाद भी हमारे देश की सड़कों के हाल बेहाल है।

राजनैतिक दल सत्ता में आते-जाते रहते हैं पर इन बुनियादी सुविधाओं पर किसी भी दल का ध्यान नहीं जाता, लेकिन बीते कुछ वर्षो में सड़कों व राजमार्गों के बनने में तेजी अवश्य आई है। वो अलग बात है कि चुनावी घोषणाओं के दबाव में और जल्दबाजी में इन सड़कों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान नहीं दिया जाता।

राजनैतिक दल कोई भी हो राजमार्ग बनाने की जल्दी में किसी ने भी राजमार्गों पर होने वाले हादसों को रोकने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए, जबकि विदेशों में राजमार्गों पर होने वाले हादसों के प्रति वहां की सरकारी और नागरिक काफी संवेदनशील हैं।

दो वर्ष पहले जब मशहूर उद्योगपति साइरस मिस्त्री की एक सड़क हादसे में मृत्यु हुई थी तो सड़क नियमों को लेकर काफी चर्चा हुई। इस हादसे के पीछे कई कारण बताए गए, जैसे की तेज गति, हादसे की जगह सड़क का कम चौड़ा होना, आदि। परंतु बुनियादी सवाल यह है कि किसी अमीर व्यक्ति द्वारा चलाई जाने वाली महंगी लग्जरी कार हो या किसी मामूली ट्रक या बस ड्राइवर द्वारा चलाए जाने वाला साधारण वाहन, क्या वाहन चलाने वाले और परिवहन नियम लागू करने वाले अपने-अपने काम के प्रति जिम्मेदार हैं?

क्या ये कहना गलत नहीं होगा कि हमारे देश में सड़क सुरक्षा और परिवहन के नियम और कानून दोनों ही काफी लचर हैं। यही कारण है कि भारत में सड़क

दुर्घटनाएं और देशों की तुलना में काफी ज्यादा होती हैं? यदि कानून की बात करें तो हमारे देश के कानून इतने लचर हैं कि सड़क दुर्घटना में यदि किसी की मृत्यु भी हो जाती है तो वाहन चालक को बड़ी आसानी से जमानत भी मिल जाती है। ज्यादातर ट्रक व बस ड्राइवरों को भी इस बात का पता है कि उन्हें कड़ी सजा नहीं मिलेगी। सड़क नियम और कानून को सख्ती से लागू करने की जिम्मेदारी केवल ट्रैफिक पुलिस की नहीं होनी चाहिए। इनको लागू करने के लिए समय-समय पर जागरूकता अभियान भी चलाए जाने चाहिए। होता यह है कि देश भर में सड़क व यातायात नियमों के लिए केवल साल में एक ही बार ऐसे अभियान चलाए जाते हैं। यदि ऐसे जागरूकता अभियान महीने में एक बार चलाए जाएं तो ड्राइवरों और आम जनता के बीच जानकारी सही से पहुंचेगी।

वे जागरूक होंगे और नियम तोडने से पहले कई बार सोचेंगे। इसके साथ ही कानून में भी कड़ी सजा के प्रावधान होने चाहिए जिससे कि सभी के बीच एक संदेश जाए कि यदि सड़क और यातायात नियमों को अनदेखा किया या उन्हें तोड़ा तो उसका परिणाम महंगा पड़ेगा। कड़े कानून लागू होने की बात करें तो होता यह है कि कई सड़कों पर और राजमागरे पर कुछ निर्धारित स्थानों पर स्पीड चेक करने वाले कैमरे लगे होते हैं। इनकी जानकारी वहां से नियमित रूप से निकालने वाले ड्राइवरों को पहले से ही होती है। इसलिए वे उस जगह पर अपनी गाड़ी को नियंत्रित गति से चलाते हैं। ऐसे में दुर्घटनाएं टल तो जाती हैं परंतु जैसे ही वो कैमरे की दृष्टि से दूर होते हैं, वैसे ही गाड़ी के एक्सलेरेटर को जोर से दबा देते हैं। मतलब यह हुआ कि केवल चालान से बचने की नीयत से ही वे गाड़ी को निर्धारित गति से चलाते हैं, जबकि यह तथ्य जगज़ाहिर है कि यदि आप अपनी गाड़ी को नियंत्रित गति से चलाते हैं तो न सिर्फ दुर्घटना टलती है बल्कि ईधन भी कम खर्च होता है।

सरकार और ट्रैफिक पुलिस को इस बात पर भी ध्यान देना चाहिए कि जो कैमरे तेज रफ्तार से चलने वाली गाडियों का चालान करते हैं, उनसे अधिक काम भी लिया जा सकता है। स्पीड कैमरे की तकनीक की बात करें तो उसमें लगे रेडार से एक सिग्नल जाता है जो केवल तेज रफ्तार से चलने वाली गाड़ी की ही फोटो खींचते हैं। यदि इसी तकनीक में थोड़ा सा सुधार किया जाए तो वही कैमरा कई ट्रैफिक उल्लंघनों की फोटो भी खींच सकता है।

ये सब बातें मैं इसलिए कह रहा हूं कि जब आज से कुछ वर्ष पहले मैं लंदन की यात्रा पर था तो वहां मेरे स्थानीय मित्र ने गाड़ी को राजमार्ग पर लाने से पहले चश्मा लगा लिया। मेरे पूछने पर उन्होंने बताया कि, %मेरी गाड़ी और ड्राइविंग लाइसेंस पर जो फोटो लगी है उसमें मैंने मामूली नंबर का नजर का चश्मा पहना हुआ है। यदि मैं बिना चश्मे के गाड़ी चलाऊंगा तो मेरा चालान हो जाएगा।' उनका मतलब यह था कि जगह-जगह लगे कैमरे हर पहलू को पकड़ लेते हैं। आज के सूचना प्रौद्योगिकी के युग में एक से बढ़कर एक गुणवत्ता वाले कैमरे उपलब्ध हैं जो इन सभी पहलुओं को पकड़ सकते हैं। जरूरत केवल सही सोच और पहल करने की इच्छा की है। देखना यह है कि हमारे देश में ऐसे बदलाव कब होंगे? केवल चुनावी घोषणाओं के चलते नये-नये राजमार्ग खोलने से कुछ नहीं होगा। सड़क और यातायात नियमों को सख्ती से लागू भी किया जाए। शायद तभी हमारे देश में सड़क दुर्घटनाओं में कमी आए।

टेक्निकल टैक्सटाइलः नवाचार और स्थिरता के साथ भारत के भविष्य का निर्माण

श्री गिरिराज सिंह, केंद्रीय टैक्सटाइल मंत्री

परिवर्तन ही संसार का नियम है- परिवर्तन ब्रह्मांड का नियम है। इस सशक्त संदेश के अनुरूप, भारत की वस्त्र विरासत बदलती दुनिया की आवश्यकताओंको पूरा करने के लिए बदल रही है। तकनीकी वस्त्रों के बारे में हमारी यात्रा सिर्फ़ वस्त्र के संदर्भ में नहीं है, अपितु यह सपने बुनने, भविष्य को सुरक्षित करने और 1.4 बिलियन भारतीयों के लिए एक दीर्घकालिक कल तैयार करने के बारे में है। आज, मैं यह साझा करने में गर्व का अनुभव करता हूं कि कैसे भारत का तकनीकी वस्त्र क्षेत्र हमारे पूरे देश के जीवन में क्रांति ला रहा है। पैकटेक, इंडुटेक, मोबिलटेक, क्लॉथटेक, होमटेक, मेडिटेक, एग्रोटेक, बिल्डटेक, प्रोटेक, जियोटेक, स्पोर्टेक और ओकोटेक जैसे 12 विशेष खंडों के साथ यह हर तरह के उत्कृष्ट अवसर प्रदान करता है। दुनिया के पांचवें सबसे बड़े तकनीकी वस्त्र बाजार के रूप में, जिसका मूल्य 25 बिलियन डॉलर है और 2030 तक इसके 40 बिलियन डॉलर को पार करने का अनुमान है, भारत ने उल्लेखनीय निर्यात वृद्धि देखी है। यह 2014 में शून्य से बढ़कर वित्त वर्ष 2023-24 में 3 बिलियन डॉलर हो चुकी है, जिसका लक्ष्य 2030 तक 10 बिलियन डॉलर है। पैकटेक, इंडुटेक और मोबिलटेक का निर्यात में 70 प्रतिशत की सहभागिता है, जो भारत की विनिर्माण क्षमता को उजागर करता है, जबकि बिल्डटेक क्षेत्र में 229 प्रतिशत की वृद्धि विशेष क्षेत्रों में विशेषज्ञता को दर्शाती है। इसके अलावा भारत ने अनुसंधान और विकास, उद्यमिता और स्थायी कार्य प्रणालियों के माध्यम से घरेलू मांग को प्रोत्साहित करते हुए बिल्डटेक, मेडिटेक, एग्रोटेक और अन्य उभरते क्षेत्रों सहित अन्य तकनीकी वस्त्र क्षेत्रों में निर्यात का विस्तार करने की योजना बनाई है।

अपने देश के आत्मनिर्भरता लक्ष्य का समर्थन करने के लिए, हम नायलॉन, कार्बन फाइबर, हाई-स्पेशलिटी फाइबर और अल्ट्रा-हाई-मॉलिक्यूलर-वेटपॉलीइथिलीन (यूएचएमडब्यू पीई) जैसे महत्वपूर्ण कच्चे माल पर आयात निर्भरता को कम करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। जिस तरह भारत अपने रक्षा और एयरोस्पेस क्षेत्रों को बढ़ावा देने के लिए सेमीकंडक्टर में आत्मनिर्भर बनने की दिशा में कार्य कर रहा है, उसी तरह हम तकनीकी वस्त्रों के क्षेत्र में भी ऐसा ही करने की आकांक्षा रखते हैं। इसे हासिल करने के लिए, मोदी सरकार ने 1,480 करोड़ रुपए के समर्थन से राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन (एनटीटीएम)का शुभारंभ किया। इस पहल ने पहले ही 509 करोड़ रुपए की 168 परियोजनाओं को स्वीकृति दे दी है और 5.79 करोड़ रुपए के साथ 12 स्टार्टअप को वित्त पोषित किया है। हम केवल वैश्विक प्रगति में योगदान नहीं दे रहे हैं, अपितु इसे आकार भी दे रहे हैं। हमारा विजन संख्याओं से परे है, जिसका लक्ष्य

एक आत्मनिर्भर भारत का निर्माण करना है जो अपनी सांस्कृतिक विरासत का सम्मान करते हुए नवाचार के माध्यम से आगे बढ़ता है। 2.5 वर्षों के भीतर टी 100 कार्बन फाइबर के घरेलू उत्पादन के साथ एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हमारी प्रतीक्षा कर रही है, जो महत्वपूर्ण रक्षा और एयरोस्पेस अनुप्रयोगों में हमारी आयात निर्भरता को काफी हद तक कम कर देगा। जबकि हम आयातित गैर-बुने हुए पदार्थों, कार्बन फाइबर, उच्च-विशिष्ट फाइबर, नायलॉन और यूएचएमडब्ल्यूपीई पर अपनी निर्भरता को कम करने की दिशा में कार्य कर रहे हैं। मुझे विश्वास है कि भारत वित्त वर्ष 2025-26 तक घरेलू कार्बन फाइबर उत्पादन का शुभारंभ कर देगा, जो आत्मनिर्भरता की ओर एक महत्वपूर्ण कदम होगा। हमारा कृषि क्षेत्र तकनीकी वस्त्रों की परिवर्तनकारी क्षमता को प्रदर्शित करता है। नवोन्मेषी एग्रो टेक्सटाइल्स पिछले छह वर्षों में 5 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि के साथ 567 मिलियन डॉलर से अधिक के निर्यात को बढ़ावा दे रहे है। ग्रामीण भारत में एक किसान की कल्पना करें जो छाया के लिए जाल और गीली घास की चटाई का उपयोग कर रहा है और 40 प्रतिशत कम पानी का उपयोग करते हुए फसल की पैदावार में 30-40 प्रतिशत की वृद्धि का साक्षी बन रहा है। एनटीटीएम के अंतर्गत ग्यारह अभूतपूर्व परियोजनाओं के माध्यम से, जिसमें उत्तरी भारत वस्त्र अनुसंधान संघ (एनआईटीआरए) द्वारा सन हेम्प फसल कवर और दक्षिण भारत वस्त्र अनुसंधान संघ (एसआईटीआरए) द्वारा हर्बल-लेपित बीज बैग शामिल हैं, हम किसानों की आय में महत्वपूर्ण रूप से 67-75 प्रतिशत की वृद्धि देख रहे हैं। यह सही मायने में सतत विकास है।

हमारे तकनीकी वस्त्रों की यात्रा में राष्ट्रीय सुरक्षा सर्वोपरि है। हमारे सुरक्षा कर्मियों को अपने साहसपूर्ण कर्तव्य को पूर्ण करने में स्वदेशी ढाल का लाभ मिलता है। एनआईटीआरएके शोध के माध्यम से विकसित उन्नत सुरक्षात्मक वस्त्र 449 डिग्री तक के तापमान को झेल सकता है। यह उपलब्धि केवल तकनीकी उन्नति के बारे में नहीं है, बल्कि यह उन लोगों की सुरक्षा के बारे में है जो हमारी रक्षा करते हैं। भारत का ऑटोमोटिव क्षेत्र फल-फूल रहा है, वित्त वर्ष 2023-24 में वाहनों की बिक्री 40 लाख यूनिट को पार कर गई है, जिससे एयरबैग की मांग बढ़ रही है और ऑटोलिव, जेडएफ और जॉयसन जैसे वैश्विक प्रमुखों को स्थानीय स्तर पर परिचालन का विस्तार करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। ऑटोकॉप और मारुति सुजुकी द्वारा समर्थित 9.2 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ सीट बेल्ट वेबिंग के लिए सबसे तेजी से बढ़ते बाजार के रूप में, भारत सुरक्षा और नवाचार में आगे बढ़ रहा है। पैकेजिंग में, उदार इंटरमीडिएट बल्क कंटेनर (एफआईबीसी) कांच, धातु और कार्डबोर्ड कंटेनर जैसी पारंपरिक सामग्रियों की जगह ले रहे हैं, जो स्थायित्व, बहुआयामी और पुनः प्रयोज्यता प्रदान करते हैं। हल्के और अधिक पर्यावरण के अनुकूल एफआईबीसीबैग कम परिवहन लागत प्रदान करते हैं और संधारणीयकार्य प्रणालियों का समर्थन करते हैं। इसके अलावा, एआई और ब्लॉक चेन वस्त्र उत्पादन को अधिक स्मार्ट और पारदर्शी बनाने के लिए आवश्यक हैं। एआई प्रक्रियाओं को स्वचालित करके, त्रुटियों को कम करके और वास्तविक समय की निगरानी को सक्षम करके दक्षता में सुधार करता है और यह उत्पाद की गुणवत्ता को बढ़ाता है। ब्लॉकचेन आपूर्ति श्रृंखला में प्रत्येक चरण को सुरक्षित रूप से रिकॉर्ड करके जवाबदेही भी रखती है, जिससे ग्राहकों और निर्माताओं को सामग्री के निर्माण, प्रामाणिकता और गुणवत्ता को सत्यापित करने की सुविधा मिलती है और इससे उद्योग में विश्वास और पारदर्शिता का निर्माण होता है।

अमेरिका, जापान, इंग्लैंड, जर्मनी और इज़राइल जैसे वैश्विक प्रमुखों से प्रेरणा लेते हुए, हम अत्याधुनिक अनुसंधान और विकास एवं उच्च तकनीक समाधानों के माध्यम से तकनीकी वस्त्रों को आगे बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। प्रोटेक क्षेत्र में इज़राइल के नवाचार जैसे किट 300 और उन्नत जाल और थर्मो-रिफ्लेक्टिव स्क्रीन जैसे दीर्घकालिक समाधानों के साथ एग्रोटेक में इटली का नेतृत्व, प्रमुख मॉडल के रूप में कार्य करता है। एक राष्ट्रीय ज्ञान केंद्र की स्थापना और स्थानीय आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करके, हम सर्वश्रेष्ठ कार्य प्रणालियों को अपना रहे हैं। वैश्विक तकनीकी वस्त्र बाजार 2030 तक 250 बिलियन डॉलर से बढ़कर 300 बिलियन डॉलर तक पहुंचने के साथ, हमारा लक्ष्य 15 प्रतिशत बाजार की हिस्सेदारी हासिल करना है, जो इस तेजी से बढ़ते क्षेत्र में नवाचार और विकास को बढ़ावा देने के लिए हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। जैसे-जैसे हम विज़न2047 की ओर बढ़ रहे हैं, तकनीकी वस्त्र भारत की समृद्ध वस्त्र विरासत और इसके तकनीकी भविष्य के बीच की कड़ी के रूप में उभर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्?द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, हम न केवल बदलाव के अनुकूल हो रहे हैं बल्कि इसे आगे भी बढ़ा रहे हैं। हम ऐसे अभिनव फाइबर और दीर्घकालिक समाधान विकसित कर रहे हैं जो भारत के तकनीकी वस्त्रों को गुणवत्ता, नवाचार और स्थिरता का वैश्विक प्रतीक बनाएंगे। वस्त्रे क्षेत्र 2030 तक 100 बिलियन डॉलर के निर्यात के साथ 350 बिलियन डॉलर के व्यापक स्तर के बाजार तक पहुंचने के लिए तैयार है।

कांग्रेस मुसलमानों को हाशिये पर रख वोट बैंक समझा

- कौसर जहां

मुसलमानों को डर दिखाकर कांग्रेस इस देश में कई दशक तक शासन सत्ता में रही। मुसलमान आजादी के बाद भी कई दशकों तक हाशिये पर रहा, लेकिन कभी भी उसे मुख्यधारा में शामिल नहीं होने दिया गया। वजह सिर्फ एक थी मुसलमान को भय दिखा कर उसे अपना वोट बैंक बनाए रखना। मोदी राज में अब पुरानी धारणाएं पूरी तरह बदल गई हैं। जब देश के प्रधानमंत्री 140 करोड़ भारतीयों की बात करते हैं तो मुसलमान भी उनकी नीतियों में, उनके विकसित भारत के विजन में शामिल होता है। हमारे प्रधानमंत्री कहते हैं कि हम एक हैं, तो सेफ हैं तो देश के मुसलमान को डरने की जरूरत नहीं। क्योंकि यह नारा किसी एक समुदाय के लिए नहीं है, बल्कि उन सभी देशवासियों के लिए जिन्हें यहां की विविधता में एकता की संस्कृति पर गर्व है। प्रधानमंत्री मोदी ने किसी योजना में ऐसा नहीं किया कि कोई खुद को अलग महसूस करे। जहां तक विपक्ष की बात है तो उनके लिए यही कहा जा सकता है जाकी रही भावना जैसी प्रभु मूरत देखी तिन तैसी। उनको सब कुछ नकारात्मक ही दिखता है। सैकड़ों कल्याणकारी योजनाओं के केंद्र में सबका साथ, सबका विकास मूलमंत्र सर्वोपरि रहा यानी योजनाओं को किसी खांचे में नहीं बांटा गया और इनका लाभ सभी जरूरतमंद लोगों को मिला। मुझे यह कहने में भी कोई संकोच नहीं कि इन योजनाओं का सबसे बड़ा लाभ देश की अल्पसंख्यक आबादी खास तौर पर मुसलमानों को मिला है। प्रधानमंत्री आवास योजना हो, मुफ्त राशन योजना हो, आयुष्मान स्कीम हो या अन्य कोई कल्याणकारी कार्यक्रम। लिस्ट उठा कर देख लीजिए कहीं कोई भेदभाव नहीं मिलेगा। लाभार्थियों में मुसलमान बड़ी संख्या में शामिल हैं।

श्रीकंचनपथ

भिलाई-दुर्ग

खास खबर

सांसद बघेल ने किया निक्षय निरामय छत्तीसगढ़ का शुभारंभ

दुर्ग। निक्षय निरामय छत्तीसगढ़ 100 दिवसीय पहचान एवं उपचार अभियान के तहत आज 07 दिसम्बर 2024 को लाल बहादुर शास्त्री सिविल अस्पताल सुपेला (भिलाई) से कार्यक्रम का शुभारंभ सांसद विजय बघेल के करकमलों से किया गया। जिसमें प्रचार-प्रसार के लिए निक्षय निरामय प्रचार वाहन को सांसद विजय बघेल, एडीएम, आयुक्त नगर निगम भिलाई, सीएमएचओ एवं अन्य गणमान्य अतिथियों के द्वारा रवाना किया गया। स्वास्थ्य विभाग के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे। यह कार्यक्रम 100 दिवसीय है, इसमें तपेदिक, कुष्ठ, मलेरिया एवं वयोवृद्ध की पहचान एवं उपचार सम्मिलित है। मितानिनों, स्वास्थ्य कार्यकर्ता एवं एनएमए के द्वारा घर-घर सर्वे कर संकास्पद मरीजों को जाँच हेतु उच्च संस्थानों में रिफर करेंगे। इसमें तपेदिक एवं कुष्ठ बीमारी को छत्तीसगढ़ से समूल नष्ट करने का संकल्प हम सभी को लेना है तभी इस बीमारी से मुक्ति पाया जा सकता है।

सीईओ दुर्ग ने लिया समिति प्रबंधकों एवं ऑपरेटरों की बैठक

दुर्ग। जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित दुर्ग के प्रधान कार्यालय में मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीकांत चन्द्राकर ने आज जिले के 87 सेवा सहकारी समितियों के समिति प्रबंधकों एवं कम्पयूटर ऑपरेटरों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में रकबा समर्पण के संबंध में तथा समितियों में संचालित माइक्रो ए.टी.एम. में प्रतिदिन लेन-देन करने निर्देशित किया गया। सहकारी से समृद्धि के तहत जिला प्रशासन से कॉमन सर्विस सेंटर के डिट्रिक्ट मैनेजर अवधेश साहू के द्वारा समिति प्रबंधकों एवं कम्प्यूटर ऑपरेटरों को कॉमन सर्विस सेंटर के माध्यम से फ ार्मर रजिस्ट्रेशन करने हेतु प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही कॉमन सर्विस सेंटर के द्वारा किसानों को सुविधाएँ प्रदान करने निर्देशित किया गया। बैठक में प्रधान कार्यालय दुर्ग के हृदेश शर्मा, विपणन अधिकारी, श्रीमती रीना साहू पर्यवेक्षक फिल्ड कक्ष उपस्थित रहें।

सोनपुर में जैविक किसान मेला

दुर्ग। कृषि विभाग द्वारा जैविक खेती मिशन योजनांतर्गत जैविक किसान मेला का आयोजन सांसद विजय बघेल के मुख्य आतिथ्य में तथा जिला पंचायत सदस्य हर्षा लोकमणी चंद्राकर की अध्यक्षता में पाटन विकासखण्ड के ग्राम सोनपुर में किया गया। कार्यक्रम में उप संचालक संदीप कुमार भोई ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए अपने उद्बोधन में जैविक खेती के वर्तमान परिदृश्य एवं संभावनाएं के संबंध में प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि सांसद बघेल द्वारा उपस्थित कृषकों को संबोधित करते हुए अपने व्यक्तिगत अनुभव साझा किया कि जैविक खेती से मिट्टी भुरभुरी एवं टिकाऊ होती है, जबकि रासायनिक खेती से मिट्टी कठोर एवं अनुपजाऊ होती है। जैविक खेती से प्राप्त उपज का बाजार मूल्य 02-03 गुना तक प्राप्त होता है तथा उत्पाद का स्वाद एवं स्वास्थ्य के लिए भी लाभदायक होता है।

प्रयागराज महाकुंभ की यात्रा कराएंगे विधायक रिकेश सेन, देंगे एक तरफ की यात्रा का खर्च

वैशालीनगर विधानसभा के लोगों को मिलेगी यह सुविधा, समाजसेवी संस्था, व्यावसायी और उद्योगपतियों का मिल रहा सहयोग

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। प्रयागराज में 13 जनवरी से 26 फरवरी तक महाकुंभ मेले में शामिल हो कुंभ स्नान करने के इच्छुक वैशाली नगर के निवासियों के लिए वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन एक बार फिर एक शानदार अवसर लेकर आए हैं। दरअसल विधायक सेन ने वैशाली नगर विधानसभा की समाजसेवी संस्थाओं, बड़े व्यावसायी और उद्योगपतियों के साथ इस योजना का प्रस्ताव रखा ताकि वैशाली नगर के रहवासी बड़ी संख्या में महाकुंभ का लाभ ले सकें। सभी ने सहर्ष सहयोग की स्वीकृति दी जिसके लिए श्री सेन ने उनको साधुवाद दिया है। कुंभ जाने वालों की एक तरफ की यात्रा का खर्च विधायक रिकेश सेन द्वारा की जाएगी।

बता दें कुंभ को दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण सांस्कृतिक और धार्मिक मेलों में से एक माना जाता है। लगभग 45 दिनों तक चलने वाले महाकुंभ का हिंदुओं के लिए बहुत महत्व है। हर 12 साल में महाकुंभ मेले का आयोजन हरिद्वार, प्रयागराज, उज्जैन और नासिक में किया जाता है और इनमें से प्रयागराज में आयोजित होने वाला महाकुंभ सबसे भव्य होता है। हर किसी की इच्छा होती है कि एक बार कुंभ मेले में जरूर जाएं। इसके लिए विधायक रिकेश सेन ने विशेष पहल की है। विधायक रिकेश सेन ने कहा है कि वैशाली नगर के जो भी रहवासी कुंभ स्नान के लिए प्रयागराज जाना चाहते हैं उनके लिए रेलवे में स्लीपर से जाने की व्यवस्था करने जा रहे हैं। जो भी लोग महाकुंभ स्नान और मेले का दर्शन लाभ लेने की इच्छा रखते हैं उनके लिए एक ओर के किराये की व्यवस्था विधायक कार्यालय से होगी। यानी महाकुंभ तीर्थ लाभ लेने के लिए वैशाली नगर निवासियों को केवल वापसी के किराये की व्यवस्था स्वयं करनी होगी।

सनातन धर्म में महाकुंभ स्नान का है बड़ा महत्व

विधायक रिकेश सेन ने बताया कि वर्ष 2025 में प्रयागराज में महाकुंभ मेले का आयोजन किया जा रहा है। सनातन धर्म में महाकुंभ मेले में शाही स्नान का बड़ा महत्व होता है, मान्यता है कि महाकुंभ में स्नान करने से व्यक्ति को मोक्ष की प्राप्ति होती है। कहा जाता है कि इन नदियों के जल में इस दौरान अमृत के समान गुण मिलते हैं और देवी देवताओं का आशीर्वाद भी कुंभ मेले में स्नान करने से अवश्य मिलता है।

महाकुंभ 2025 का पहला शाही स्नान 13 को होगा

श्री सेन ने बताया कि प्रयागराज कुंभ मेले में छः शाही स्नान भी होंगे। महाकुंभ मेले का पहला शाही स्नान 13 जनवरी 2025 को होगा। दूसरा शाही स्नान 14 जनवरी 2025 को मकर संक्रांति पर होगा, तीसरा स्नान 29 जनवरी 2025 को मौनी अमावस्या पर होगा। चौथा शाही स्नान 2 फरवरी 2025 को बसंत पंचमी पर होगा, पांचवां शाही स्नान 12 फरवरी 2025 को माघ पूर्णिमा पर होगा और आखिरी शाही स्नान होगा 26 फरवरी 2025 को महाशिवरात्रि पर होगा।

योगीजी की सरकार ने की है व्यापक और विशेष व्यवस्था

श्री सेन ने कहा कि उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथजी की सरकार महाकुंभ की व्यापक तैयारी कर चुकी है। इस बार महाकुंभ भव्य आयोजन के साथ विशेष व्यवस्था और पुण्यलाभ से हम सभी के जीवनकाल में शांति, सुख और संतुष्टि के असीम लाभ को प्रदान करने वाला है। इसलिए मैंने निर्णय लिया है कि वैशाली नगर के अधिक से अधिक लोग इस पुण्य स्नान का लाभ ले सकें, इसके लिए प्रयागराज जाने के लिए एक तरफके किराये की व्यवस्था विधायक कार्यालय से दी जा रही है।

प्लानिंग के साथ विधायक कार्यालय में करना होगा संपर्क

विधायक रिकेश सेन के जीरो रोड शांति नगर स्थित कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार विधानसभा के जो भी नागरिकगण प्रयागराज महाकुंभ में जाना चाहते हैं, उन्हें कार्यालय में पहुंच कर केवल एक ओर का रेल्वे स्लीपर किराया अपने विवरण के साथ देना है ताकि उनके प्रयागराज जाने और वापसी की तिथि निश्चित कर उनका रेल्वे आरक्षण सुनिश्चित कर उन्हें यात्रा टिकट दी जा सके।

आरक्षित बर्थ होने के बाद यात्रा कैंसल न करें

विधायक कार्यालय से एक आवश्यक सूचना यह भी जान लेना इच्छुक तीर्थ यात्री के लिए जरूरी है कि अगर रेल्वे आरक्षण होने के बाद किसी कारणवश आप निश्चित तिथि पर महाकुंभ यात्रा को कैंसल करते हैं तो दूसरी तरफका किराया जो आपने दिया था वह वापसी योग्य नहीं होगा क्योंकि आरक्षित बर्थ में ऐन वक्त पर यात्रा कैंसल करने पर टिकट किराया राशि नान रिफंडेबल होती है। इसलिए महाकुंभ मेला दर्शन और स्नान लाभ के लिए पूरी तरह योजनाबद्ध तरीके से वैशाली नगर के रहवासी अपनी यात्रा तिथि और रेल्वे आरक्षण कंफर्मेशन अनुसार तय कर जितनी जल्द हो सके तिथि पूर्व विधायक कार्यालय में स्वयं का नाम पंजीकृत अवश्य कर लें ताकि कार्यालय प्रतिनिधिगण आपके कंफर्म टिकट और सकुशल यात्रा की व्यवस्था कर सकें। विधायक वैशाली नगर ने अधिक से अधिक लोगों से महाकुंभ पहुंच स्नान और मेला का दर्शन लाभ लेने सहभागिता और इस अनूठे प्रयास में सहयोग करने की अपील की है।

दिव्यांग बच्चों ने खूब मटकी फोड़ी, जमकर लगाई दौड़ और कल्पना में भरे रंग

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सामाजिक संगठन गोल्डन एम्पथी (जीई) फ ाउंडेशन की ओर से दिव्यांग बच्चों के लिए रविवार को आयोजित वार्षिक खेल मेला 'उड़ान' में सुबह से शाम तक रौनक रही। विभिन्न जिलों से आए 300 से ज्यादा विशेष बच्चों ने अपनी खेल प्रतिभा का जबरदस्त प्रदर्शन किया।

इन बच्चों ने न सिर्फमटकी फोड़ी और दौड़ लगाई बल्कि ड्राइंग एवं पेंटिंग प्रतियोगिता में भी अपनी कल्पना को रंग भर कर अतिथियों को हैरान कर दिया। शासकीय-अशासकीय समस्त संस्थानों से आए अतिथियों ने न सिर्फ इन बच्चों की जम कर तारीफकी बल्कि आयोजक जीई फाउंडेशन की पहल को भी अनुकरणीय बताया।

भिलाई निवास के सामने स्थित मैदान में रविवार की सुबह उपस्थित अतिथियों ने प्रतीक स्वरूप गुब्बारे उड़ाकर 'उड़ान' का औपचारिक शुभारंभ किया।

आयोजन में विभिन्न संस्थानों से आए विशेष बच्चों के लिए अलग-अलग तमाम व्यवस्थाएं की गई थी। यहां बच्चों ने ड्राइंग एवं पेंटिंग में उत्साह के साथ भाग लिया। इस दौरान सुबह से शाम तक दिव्यांग बच्चों के लिए विविध खेल प्रतियोगिताएं हुईं। जिसमें इन बच्चों ने शारीरिक अक्षमता को पीछे छोड़ते हुए मैदान में अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

आयोजन में पहुंचे भिलाई स्टील प्लांट के निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता ने कहा कि समाज से विशेष बच्चों को एक मंच पर लाना और उन्हें अवसर देने जीई फाउंडेशन का कार्य अतुलनीय है। बीएसपी के कार्यपालक निदेशक (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ. रवींद्रनाथ एम. ने कहा कि विशेष बच्चों के प्रति जीई फाउंडेशन अपनी जवाबदारी बखूबी निभा रहा है, यह हम सबके लिए प्रेरणास्पद है।

सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के उपमहानिरीक्षक बी एस पंते ने इन विशेष बच्चों को लड्डू खिला कर मुंह मीठा करवाया और पूरे आयोजन को अनुकरणीय बताया। सेंट थॉमस मिशन के राजू फादर ने कहा कि जीई फाउंडेशन ने दिव्यांग बच्चों के प्रति अपनी सेवाओं से समाज को यह एहसास भी कराया है कि इन विशेष बच्चों को लेकर उन सभी की भी जिम्मेदारी बनती है।

वहीं युवा नेता मनीष पांडेय ने कहा कि यहां दिव्यांग बच्चों के लिए जो काम जीई फाऊंडेशन कर रहा है उसका संदेश अब पूरे देश मे जा रहा है। पुलिस उप महानिरीक्षक प्रखर पांडेय ने प्रतिभागी बच्चों को सम्मानित करते हुए आयोजन की सराहना की। इस दौरान बच्चों के साथ आए शिक्षकों को भी सम्मानित किया गया।

इनके अलावा बी एस एफके कमांडेंट मनीष सिन्हा,बीएसपी ऑफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष नरेंद्र बंछोर, महासचिव परविंदर सिंह, स्टील मेल्टिंग शॉप-3 के मुख्य महाप्रबंधक पी के सिंह, नगर सेवाएं विभाग के मुख्य महाप्रबंधक उत्पल दत्त और एसएमएस-3 के महाप्रबंधक त्रिभुवन बैठा भी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

आयोजन को सफल बनाने में जीई फाउंडेशन के प्रदीप पिल्लई, संजय मिश्रा,जावेद खान,के वी विनोद,मनीष टावरी, सुरेश कुमार, श्रेयस कुमार,प्रकाश देशमुख,मृदुला शुक्ला, सुभागा सुरेश, ज्योति पिल्लई, हेमा कुलकर्णी, देवनारायण, स्वाति पंडवार, स्वाति बारीक, विशाखा मंगुडे और योगिता साहू की सहभागिता रही। वहीं सेंट थॉमस कॉलेज और भिलाई इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी दुर्ग के स्टूडेंट ने भी विशेष सहयोग दिया। समूचे समारोह का संचालन सत्यवान नायक ने किया।

जिले में 3810 समूह की महिलाओं का किया गया स्वास्थ्य परीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी के निर्देशानुसार एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी बजरंग कुमार दुबे के निर्देशन में हमारा शौचालय हमारा सम्मान अभियान अंतर्गत ग्राम पंचायत गोबरा जनपद पंचायत धमधा में विकासखंड स्तरीय निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया।

राज्य स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) की राज्य सलाहकार श्रीमती अभिलाषा आनंद द्वारा जिला दुर्ग के एवं विकासखंड धमधा के ग्राम पंचायत गोबरा, नंदवाय नंदनीखुदनी में विश्व शौचालय दिवस हमारा शौचालय हमारा सम्मान अंतर्गत स्वास्थ्य शिविर जांच कार्यक्रम में उपस्थित हुए और सेग्रिगेशन शेड सामुदायिक शौचालय जनपद पंचायत धमधा में सोखता गड्ढा, वक्तिगत शौचालय, घरेलू किचन गार्डन का निरीक्षण किया गया।

स्वच्छताग्राही समूह की दीदीयों से चर्चा की तथा सूखे एवं गीले कचरे का पृथककरण, घरेलू स्तर में करने और लोगों को घर-घर से सिर्फ सूखा कचरा ही ले। गीला कचरा को अपनी घर के गुरवा में डिस्पोज करने युजर चार्ज हेतु प्रोत्साहित किया।

दुर्ग शहर को 148 लाख की लागत से इंडोर तरणताल की सौगात

विकास कार्यों को दुर्ग शहर में गति मिली - गजेन्द्र यादव

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग शहर विधायक गजेन्द्र यादव के मुख्य आतिथ्य और कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी की अध्यक्षता में शहर में स्थित सीटी क्लब के प्रांगण में 148 लाख की लागत से तरणताल निर्माण के लिए आज भूमिपूजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए विधायक गजेन्द्र यादव ने कहा कि जिस प्रकार बेडमिंटन का मैदान तैयार किया जा रहा है, उसी प्रकार तरणताल का निर्माण भी हो।

उन्होंने विधायक बनने के बाद जो सपना देखा था उसको पूरा करने में कलेक्टर सुश्री चौधरी का बहुत बड़ा योगदान रहा है। जिला को वैभवशाली बनाने हरसंभव कोशिश करूंगा। वर्तमान में छत्तीसगढ़ की रेकिंग में दुर्ग जिला प्रथम स्थान पर रहा है।

विधायक श्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि स्वास्थ्य के लिए जिला अस्पताल में 9 करोड़ की लागत से 150 बिस्तरों का वार्ड तैयार किया जा रहा है। जिले को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए बेंगलुरू के आईटी पार्क की तरह भिलाई में भी आईटी पार्क का निर्माण किया जाएगा। जिससे जिले के छात्र-छात्राओं को पढ़ने तथा रोजगार प्राप्त करने में कठिनाई न हो सके। उन्होंने जिले को सुव्यविस्थत करने के लिए जैसे पटेल चौक, राजेन्द्र प्रसाद चौक तथा अन्य क्षेत्रों का सौन्दर्यीकरण करने के लिए राशि की व्यवस्था की जाएगी। महापौर धीरज बाकलीवाल ने कहा कि शहर के विकास कार्यों को नया आयाम देने के साथ ही क्षेत्र के विकास के लिए कलेक्टर का बहुत बड़ा योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि आम जनता के सुझाव के आधार पर विधायक श्री यादव ने शहर का विकास करने हमेशा तत्पर रहे है। जिले के विकास के लिए व्यक्तिगत जागरूकता होना अनिवार्य है। खेलकूद को बढ़ावा देने के लिए विधायक के माध्यम से शहर को तरण ताल की सौगात मिली है, इससे जिले के युवाओं को सुविधा मिलेगी।

कलेक्टर चौधरी ने कहा कि शहर की खेल प्रतिभा को आगे बढ़ाने के लिए सभी का सहयोग जरूरी है। जिले के युवा पीढ़ी को खेल में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहुंचाने का कार्य अनुभवी खिलाड़ियों का बहुत बड़ा योगदान रहेगा। उन्होंने कहा कि तरणताल का निर्माण करने के उपरांत उसका संचालन भी सुव्यवस्थित सुचारू रूप से होना चाहिए। इस अवसर पर पार्षद राजकुमार नारायणी, दुर्ग नगर निगम आयुक्त सुमित अग्रवाल, एसडीएम दुर्ग हरवंश सिंह मिरी, ग्रामीण यांत्रिकी विभाग के अधीक्षण यंत्री जे.के. मेश्राम सहित अन्य जनप्रतिनिधी एवं जिला प्रशासन के अधिकारी मौजूद थे।

खास खबर...

मैगजीनभांटा नाले में कलवर्ट और एप्रोच मार्ग के निर्माण की कैबिनेट मंत्री ने की भूमिपूजन

कोरबा। नगर विधायक और वाणिज्य, उद्योग व श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन ने वार्ड क्रमांक 23 पंडित रविशंकर शुक्ल नगर मैगजीनभांटा स्थित कच्चे नाला पर कलवर्ट और एप्रोच मार्ग के निर्माण का भूमिपूजन किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए कैबिनेट मंत्री देवांगन ने कुल 25 लाख की लागत से होने वाले उपरोक्त कार्यों का भूमिपूजन किया। इस अवसर पर देवांगन ने कहा कि पंडित रविशंकर शुक्ल नगर वॉर्ड से खरमोरा और दादरखुर्द वॉर्ड के रहवासियों की आवाजाही में पिछले कई वर्षों से परेशानी बनी हुई थी। विधानसभा चुनाव में जब क्षेत्र की जनता ने इन परेशानियों से अवगत कराया था, तब मैंने वादा किया था। आज इस वादे को निभाते हुए कार्यों का श्री गणेश किया जा रहा है। कलवर्ट और एप्रोच रोड बनने के बाद लोगों को आवागमन में किसी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि इस क्षेत्र के लोगों को किसी भी तरह से मूलभूत सुविधाओं से वंचित नहीं होना पड़ेगा। हमारी कोशिश है कि सभी कार्यों को प्राथमिकता के साथ जल्द प्रारम्भ कराकर पूर्ण भी कराएं। कैबिनेट मंत्री श्री देवांगन ने निगम के अधिकारियों से कार्यों को समयावधि में पूर्ण करने और गुणवत्ता के साथ करने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर वार्ड पार्षद अब्दुल रहमान, सुकुंदी यादव, अजय गौंड, कोसाबाड़ी मंडल अध्यक्ष अजय विश्वकर्मा, सुमन सोनी, पूर्व पार्षद दिनेश वैष्णव, डॉ राजेश राठौर, गुडिया यादव, लक्ष्मण श्रीवास, चन्दन सिंह, रमा मिरि, गोपालाल राठिया, हेमंत चंद्रा सहित अन्य उपस्थित रहे। चार वार्डों के लगभग सवा करोड़ के कार्यों की रखेंगे आधारशिलाउद्योग, वाणिज्य और श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन रविवार को वार्ड क्रमांक 32 कोसाबाड़ी ओम फ्लेट्स के समीप सामुदायिक भवन में आयोजित भूमिपूजन कार्यक्रम में चार वार्डों में होने वाले लगभग सवा करोड़ के विभिन्न विकास कार्यों की आधारशिला रखेंगे।

नि:शुल्क कृत्रिम अंग प्रत्यारोपण शिविर में कई लोग हुए लाभान्वित

कोरबा। दुर्घटना अथवा अन्य कारण से काफी समय पहले अपने हाथ पैर का काफी हिस्सा खो चुके लोगों को शारीरिक कमी महसूस तो होती थी। साथ ही उनके कार्य क्षमता पर भी काफी असर पड़ रहा था। यहां वहां परामर्श और उपचार के बाद जब बात नहीं बनी तो उन्होंने खुद को इसी हाल पर छोड़ दिया। उन्हें उम्मीद नहीं थी कि कुछ समय के बाद हालात बदल भी सकते हैं। अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच और नवचेतना शाखा कटघोरा के द्वारा आयोजित किए गए निशुल्क कृत्रिम अंग प्रत्यारोपण शिविर में कई लोग लाभान्वित हुए और उन्हें जिंदगी के नए अर्थ मिले। इसकी खुशी उनके चेहरे पर साफ दिखाई दे रही थी। ऐसे हितग्राहियों ने आयोजन करने वाले सामाजिक जनों के प्रयास को सराहा।

देव संस्कृति विश्वविद्यालय हरिद्वार के छात्र रायपुर के स्कूली छात्रों के बीच जाकर बता रहे जीवन जीने की कला

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। देव संस्कृति विश्वविद्यालय हरिद्वार (उत्तराखण्ड) में अध्ययनरत छात्र सामाजिक परिवीक्षा इंटर्नशिप के लिये 29 नवम्बर से एक माह के लिये प्रदेश की राजधानी रायपुर में आये हुए हैं। इस दौरान उनके द्वारा रायपुर जिले के विभिन्न ब्लॉकों के स्कूलों में जाकर स्कूली छात्र-छात्राओं को भारतीय संस्कृति व सभ्यतता व सफल होने के लिये व्यक्ति की दैनिक दिनचर्या कैसी होनी चाहीये जैसे विभिन्न विषयों के बारे में बता रहे हैं।

देव संस्कृति विश्वविद्यालय की स्थापना का स्वपन अखिल विश्व गायत्री परिवार के संस्थापक पं. श्रीराम शर्मा आचार्य का था। पं. श्रीराम शर्मा आचार्य का मानना था कि वर्तमान में एक ऐसे शिक्षण संस्थान की आवश्यकता है जो अपने विद्यार्थियों को श्रेष्ठ और प्रबुद्ध मनुष्य बना सके, जो निस्वार्थ, स्नेही, दयालु और सहृदय हों। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में आमूलचूल परिवर्तन के लिए उन्होंने अपने जीवनकाल में जो लक्ष्य निर्धारित किए थे, उन्हें प्राप्त करने के लिए जून 1990 में उनके समाधिस्थ होने के बाद उनके प्रशंसकों और अनुयायियों ने एक विश्वविद्यालय की स्थापना करके और उसका नाम देव संस्कृति रखकर उनके स्वपन को मूर्त रूप दिया। आचार्य का मौन क्रांतिकारी आंदोलन अब देव संस्कति विश्वविद्यालय के रूप में सुस्थापित है, जो विद्यार्थियों में मानवीय मूल्यों की स्थापना के साथ आधुनिक शिक्षा का संगम प्रदान करने के प्राथमिक उद्देश्य से कार्य करता है। यह एक ऐसा संस्थान हो जो पूर्वजों के ज्ञान के साथ आधुनिक समय की समस्याओं का समाधान कर सके और देश के भविष्य के निर्माण में योगदान दे सके। गायत्री परिवार के मीडिया प्रभारी प्रज्ञा प्रकाश निगम ने बताया कि दे.सं.वि.वि. हरिद्वार (उत्तराखण्ड) से राजधानी रायपुर आये तीन छात्र चंद्र प्रकाश, सौरभ प्रजापति एवं राहुल सिंह राठौर ने अब तक रायपुर के स्वामी आत्मानंद हायर सेकेंडरी स्कूल लालपुर, अशादीप विद्यालय, शांतिनिकेतन विद्यालय, शासकीय हाईस्कूल चंगोराभाठा, दक्षिणमूर्ति विद्यापीठ, निखिलेश्वर विद्यालय आदि विद्यालयों में स्कूली छात्रों के बीच जाकर भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता का ज्ञान, व्यक्तित्व विकास, तनाव प्रबंधन, नशा मुक्ति, आत्मबोध, तत्वबोध, यज्ञ का ज्ञान व विज्ञान, बुद्धि बढ़ाने की वैज्ञानिक विधि, पर्यावरण व वातावरण का शोधन आदि विषयों पर बताया है। उनके द्वारा छोटी-छोटी बिमारियों के उपचार हेतु वैकल्पिक चिकित्सा पद्धती - ध्यान, योग, प्राणायाम, एक्यूपंचर, आयुर्वेद के बारे में बताते हुए इसे अपनाने के लिये भी जागरुक किया जा रहा है।

इंटर्नशीप हेतु आए छात्रों ने कहा कि देव संस्कृति विश्वविद्यालय की स्थापना का उद्देश्य राष्ट्र के युवाओं को निखार-संवार कर श्रेष्ठतम नागरिक, समर्पित स्वयंसेवक, प्रखर राष्ट्रभक्त एवं विषय-विशेषज्ञ बनाने के साथ-साथ महामानव और देव मानव बनाना है, जिससे मनुष्य में देवत्व उतरे और धरती पर स्वर्ग के अवतरण का स्वप्न साकार हो सके। उन्होने भारतीय संस्कृति के दिव्य सूत्रों को बताते हुए कहा कि केवल औपचारिक शिक्षा हासिल करना सच्चा ज्ञान नहीं है इससे अभिमान बढ़ता है, जो व्यक्तित्व विकास में बाधा है अत: शिक्षा के साथ-साथ विद्या को होना भी आवश्यक है। विद्या के बिना मनुष्य का सर्वांगिक विकास नहीं हो सकता है। शिक्षा सिर्फ भौतिक सुख प्रदान कर हमें बड़ा आदमी व धनवान बनाता है लेकिन विद्या हमें एक अच्छा इंसान बनाती है। विद्या हमें धर्म एवं अधर्म में फर्क बतलाती है एवं व्यक्ति को जागरूक और संवेदनशील बनाकर धर्मपथ की ओर अग्रसर कर एक सच्चा मानव बनाती है। शिक्षा व्यक्ति को स्वार्थी बनती हैं, जबकि विद्या व्यक्ति को परमार्थी बनती है। विद्या ही व्यक्ति को पशु से अलग करती।

दे.सं.वि.वि. के तीनो छात्र द्वारा सभी स्कूल के प्रबंधन समिति, प्राचार्य एवं शिक्षको द्वारा दिये जा रहे सहयोग के लिये आभार व्यक्त किया गया। स्कूलों में होने वाले इस कार्यक्रम में प्रमुख रुप से गायत्री परिवार रायपुर के जिला समन्वयक लच्छुराम निषाद, युवा प्रकोष्ठ प्रभारी आशीष राय, पूर्णिमा साहू, उर्मिला नेताम, हंसराम, देवेन्द्र निषाद, गीता शर्मा, एस.एन. राय, संध्या सिन्हा, गजानदं साहू, हंसराम साहू, दुलारी साहू, वीणा बघेल, विमला वर्मा एवं गायत्री परिवार के अन्य परिजन सहयोग कर रहे हैं।

बदला मौसम का मिजाज, कई जिलों में बारिश की संभावना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में शनिवार से से फिर बदली-बारिश का दौर शुरू हो गया है. सुबह से ही राजधानी समेत कई जिलों में बादल छाए हुए हैं. मौसम विभाग के अनुसार बंगाल की खाड़ी से नमी आ रही है, जिसकी वजह से बस्तर, रायपुर, बिलासपुर और सरगुजा संभाग के कई जिलों में हल्की बारिश की संभावना है. मौसम वैज्ञानिक अगापित एक्का ने बताया कि बंगाल की खाड़ी में चक्रवात का असर प्रदेश में दिखेगा. 9 दिसंबर तक प्रदेश में बारिश बदली-बारिश का दौर जारी रहेगा, जिसके बाद मौसम साफ होगा और रात के तापमान में गिरावट के साथ कड़ाके की ठंड पड़ेगी.

बता दें, बीते कुछ दिनों से प्रदेश में ठंड कम रहा. लेकिन बारिश होने से दिन के तापमान में कमी आएगी और प्रदेश का मौसम ठंडा रहेगा. हालांकि रात के तापमान में कोई खास बदलाव आने की संभावना नहीं है.

शुक्रवार को प्रदेश में सबसे कम न्यूनतम तापमान 10.1 डिग्री अंबिकापुर में दर्ज किया गया. वहीं दिन में सबसे अधिक तापमान बालोद में 33 डिग्री दर्ज किया गया. इसके अलावा राजधानी में दिन का तापमान 32.8 डिग्री और रात का तापमान 19.2 डिग्री दर्ज किया गया. सूरजपुर में रात का पारा 11.1 डिग्री, कोरिया में 11.8 डिग्री बलरामपुर में 17.7 और जशपुर में 18.5 डिग्री रिकॉर्ज किया गया. जबकि बस्तर संभाग में बदली-बारिश के चलते रात का पारा 17 से 21 डिग्री के बीच रहा. दंतेवाड़ा में रात का तापमान सबसे अधिक 21.5 डिग्री दर्ज किया गया.

इन जिलों में हुई बारिश

छत्तीसगढ़ के सुकमा, नानगुर, छिंदगढ़, गदिरस, बस्तानार, कोंटा और जगदलपुर में बारिश हुई. सबसे अधिक बारिश बस्तर के नानगुर में 38.4 मि.मी. दर्ज की गई।

जल जीवन मिशन से घर तक पहुंचा शुद्ध पेयजल, समय की हो रही बचत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की संकल्पना एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के अथक प्रयास के परिणाम स्वरुप आज प्रदेश में हर घर नल, हर घर जल के ध्येय वाक्य के साथ पेयजल पहुंचने की योजना ग्रामीण क्षेत्रों में फलीभूत होती दिखाई दे रही है। आज घरों तक शुद्ध पेयजल पहुंच रहा है, वहीं महिलाओं को हैंडपंप की लाइन से मुक्ति मिली है।

विकासखंड पुसौर के ग्राम रेंगालपाली निवासी तारा मांझी कहती है हमारे बस्ती में पेयजल की काफी समस्या थी, परिवार बड़ा है लिहाजा पानी की खपत भी उतनी होती है। हैंडपंप में पानी भरने के लिए दूरी तय करना और लाइन में लगकर पानी भरना, बहुत कष्ट दायक हो जाता था। आज जल जीवन मिशन के तहत घर में नल लग चुका है, जिससे जीवन आसान हो गया है। नल में नियमित रूप से समय पर दो बार पानी आता है। जो पूरे परिवार के लिए पर्याप्त है, साथ ही नहाने, कपड़े धोने, बर्तन साफ करने एवं घर के दूसरे काम आसानी से हो रही है, जिससे परिवार के सभी लोग बहुत खुश हैं। पानी की समस्या पूरी तरह खत्म हो गई है। तारा मांझी कहती कि योजना से हमारे जीवन में बहुत बड़ा बदलाव आया है।

नशे से दूर रहेंगे तो केवल समाज का नहीं पूरे देश का विकास होगा: नेताम

श्रीकंचनपथ न्यूज

सरोना। सरोना में रविवार को बंजारा समाज के समाज भवन का लोकार्पण विधायक आशाराम नेताम के मुख्य आतिथ्य व पूर्व विधायक शिशु पाल शोरी, जनपद अध्यक्ष कांकेर रामचरण कोर्राम के विशेष आतिथ्य में किया गया। समाज द्वारा अधिकारियों को बाजे-गाजे के साथ कार्यक्रम स्थल लगाया गया। यहां समाज की महिलाओं द्वारा अतिथियों का आरती उतारकर स्वागत किया गया। विधायक आशाराम नेताम ने नवीन समाज भवन को लोकार्पण किया। इस मौके पर उन्होंने समाज के लोगों से एकजुट होकर काम करने का आह्वान किया। बंजारा समाज का सामाजिक भवन बनने से समाज के लोग एक जगह बैठकर सामाजिक रीति-नीति और समाज के उत्थान के बारे में चर्चा करेंगे और समाज का उत्थान होगा। विधायक नेताम ने बंजारा समाज के लोगों से नशा से दूर रहने और अपने बच्चों को अच्छे से पढ़ा-लिखाकर समाज सेवा व देश सेवा के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया।

नगर निगम मलबे को फेंकने के बजाय अब बना रहा पेवर ब्लॉक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पुराने भवन और मकानों को तोड़ने से निकलने वाले कंक्रीट, रेत, ईंट और गिट्?टी के मलबे को अब इधर-उधर फेंकने के बजाए नगर निगम को दे सकते हैं। निगम उस मलबे को जरवाय के सीएंडडी (कंस्ट्रक्शन एंड डिमोलेशन) वेस्ट प्लांट ले जाएगा। यहां उस मलबे का प्रोसीजर कर पेवर ब्लॉक इत्यादि बनाया जाएगा। निगम का सीएंडडी वेस्ट प्लांट शुरू हो गया है। कोई भी आम शहरी अपने इलाके के जोन दफ्तर में मलबे की सूचना दे सकते हैं। निगम के कर्मचारी मलबा खुद वहां लेकर जाएंगे।

शहर में पुराने मकानों के टूटने से निकलने वाला मलबा निगम के लिए मुसीबत बना हुआ है। आमतौर पर लोग नया घर बनाने के लिए पुराने कंस्ट्रक्शन को तोड़फोड़ उसका मलबा आस-पास या कहीं भी खाली प्लॉट देखकर फेंक देते हैं। इससे कई जगहों पर अघोषित मुक्कड़ तैयार हो जाता है।

लोग वहां कचरा भी फेंकने लगते हैं। इससे सफाई में बड़ी दिक्कत शुरू हो जाती है। इस दिक्कत को दूर करने के साथ बिल्डिंग मटेरियल का उपयोग करने के लिए निगम ने जरवाय में सीएंडडी वेस्ट प्लांट तैयार किया है।

कृषक उन्नति योजना से किसानों को मिली समृद्धि और लाभ

कृषक उन्नति योजना, समर्थन मूल्य पर धान खरीदी और परिवार की सामूहिक प्रयास से कृषि में मिल रही सफलता

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। प्रदेश में खेती-किसानी को बढ़ावा देने, फसल उत्पादन को प्रोत्साहित करने और किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार लाने के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा शुरू की गई कृषक उन्नति योजना, किसानों के जीवन में खुशहाली ला रही है। इस योजना से मिलने वाली सहायता के माध्यम से किसान अपने जीवन को नई दिशा दे रहे हैं और उनकी आर्थिक उन्नति के रास्ते खुल रहे हैं।साथ ही छत्तीसगढ़ शासन द्वारा खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में 3100 रुपए समर्थन मूल्य पर 21 क्विंटल प्रति एकड़ की दर से धान खरीदी कर किसानों के श्रम को सम्मान दिया जा रहा है।

पाली विकासखण्ड के चैतमा धान खरीदी केंद्र में अपने 100 क्विन्टल धान बेचने आए

ग्राम केराकछार के किसान श्री रामायण सिंह ने बताया कि अपनी उपज को 3100 रुपए प्रति क्विंटल के समर्थन मूल्य पर बेचने से उन्हें बहुत राहत मिली है। वे अपनी मेहनत का सही मूल्य पा रहे हैं, जिससे उन्हें बेहतर आर्थिक स्थिति का सामना करने में मदद मिल रही है। इससे उनका उत्साह बढ़ा है। रामायण सिंह के साथ आए उनके बेटे ओम प्रकाश ने छत्तीसगढ़ शासन द्वारा किसानों के कल्याण के लिए किए गए प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि इस पहल से किसानों के जीवन में बड़े बदलाव आ रहे है। ओम प्रकाश ने कहा कि समर्थन मूल्य पर धान खरीदी होने से किसानों को आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिलता है और वे अपनी मेहनत के सही मूल्य को प्राप्त कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ सरकार की इस योजना से अब किसानों को केवल अनाज ही नहीं, बल्कि उनके कठिन परिश्रम का सही पुरस्कार भी मिल रहा है।

रामायण सिंह ने बताया कि उनके परिवार में कुल 4 सदस्य हैं, जिसमें उनकी पत्नी श्रीमती वृंदा, उनका बेटा ओमप्रकाश और बहू शामिल हैं। वे सभी मिलकर अपने करीब 10 एकड़ कृषि भूमि पर मेहनत करते हैं और फसल उगाते हैं। रामायण सिंह का परिवार कृषि को अपनी जीवनशैली मानता है, और इसके लिए सभी सदस्य एकजुट होकर काम करते हैं। परिवार की सामूहिक मेहनत और समर्पण से उनकी फसल उत्पादन में लगातार वृद्धि हो रही है। वे सभी कृषि कार्य में मेहनत और लगन से काम करते हैं, जिससे उनकी भूमि से अधिक से अधिक लाभ मिल रहा है। इस पारिवारिक एकजुटता के कारण ही वे कृषि में सफलता प्राप्त कर पा रहे हैं और अपनी आय में वृद्धि कर रहे हैं। किसान रामायण सिंह ने बताया कि पिछले सीजन में उन्होंने समिति में 168 क्विंटल धान बेचा था और कृषक उन्नति योजना के तहत उन्हें आदान राशि के रूप में 1.50 लाख से अधिक राशि खाते में प्राप्त हुई थी। इस राशि से उन्हें इस खरीफ सीजन में फसल उत्पादन बढ़ाने में सहायता मिली है।

उन्होंने कहा कि इस योजना के माध्यम से किसानों को आर्थिक सहायता मिलती है। जिससे कृषक अपनी उत्पादन बढ़ाने हेतु उन्नत तकनीकों, उत्तम किस्म के बीजों, खाद, रासायनिक उर्वरकों और संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित कर पाते है , जिससे उनकी उत्पादन क्षमता और आय में निश्चित ही वृद्धि होती है। इस वर्ष धान विक्रय से मिलने वाली राशि के उपयोग वे अपने घरेलू आवश्यकताओं की पूर्ति के साथ ही अपनी कृषि को और अधिक समृद्ध बनाने में करेंगे।

किसान रामायण सिंह और उनके बेटे ओमप्रकाश ने सरकार को धन्यवाद देते हुए कहा कि, हम छत्तीसगढ़ सरकार का आभार व्यक्त करते हैं, जिन्होंने किसानों के लिए इस योजना को लागू किया। यह योजना न केवल हमारे श्रम को सम्मानित करती है, बल्कि हमारे उपज का उचित मूल्य भी सुनिश्चित करती है। जिससे हमारी मेहनत को सही पहचान मिल रही है और हम अपनी खेती से अधिक लाभ प्राप्त कर पा रहे हैं।

कलेक्टर ने निक्षय निरामय छत्तीसगढ़ 100 दिवसीय पहचान एवं उपचार अभियान का किया शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने आज गांधी सभागृह राजनांदगांव से जिले में निक्षय निरामय छत्तीसगढ़ 100 दिवसीय पहचान एवं उपचार अभियान का शुभारंभ किया तथा निक्षय वाहन व आईईसी रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने कहा कि प्रदेश के सभी जिलों में निक्षय निरामय छत्तीसगढ़ 100 दिवसीय पहचान एवं उपचार अभियान की शुरूआत की गई है।

यह अभियान का 7 दिसम्बर 2024 से 24 मार्च 2025 तक संचालन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सर्वे टीम द्वारा घर-घर संपर्क कर नागरिकों के स्वास्थ्य जांच की जाएगी। कलेक्टर ने जिले के सभी नागरिकों से किसी भी प्रकार के बीमारी के लक्षण होने पर सर्वे टीम को सही जानकारी प्रदान करने की अपील की, ताकि समय पर जांच व उपचार किया जा सके और अभियान को सफल बनाया जा सके। उन्होंने मितानीन एवं स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन किया तथा स्वास्थ्य अमले को अभियान की सतत निगरानी करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने इस अवसर पर निक्षय मित्रों को पुष्प गुच्छ भेंट कर सम्मानित किया तथा समाज के अन्य सभी वर्गों से अधिक से अधिक निक्षय मित्र बनने की अपील की।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नेतराम नवरतन ने निक्षय निरामय छत्तीसगढ़ 100 दिवसीय अभियान के बारे में विस्तार से जानकारी दी। पैरामेडिकल चिकित्सक संघ के अध्यक्ष हरिश्चंद्र साहू के स्वास्थ्य विभाग के अभिनव पहल की सराहना करते हुए संघ द्वारा पांच टीबी के मरीजों को गोद लेकर उन्हें पोषण आहार प्रदान करने की बात कही। कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन जिला कार्यक्रम समन्वयक एनटीईपी भूषण साहू द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में सीपीएम डॉ. पूजा मेश्राम, जिला डाटा प्रबंधक अखिलेश चोपड़ा, जिला लेखा प्रबंधक सुरेंद्र सनोदिया, कौशल शर्मा, केशव देशमुख, लोचन साहू, भूपेश साहू,सतीश केसरिया,दीपक साहू, चौताली श्रीवास्तव, लेप्रा कार्यक्रम के जिला प्रबंधक महेश्वर कोसरिया, जिला मितानिन को-ऑर्डिनेटर सभी मितानिन ट्रेनर एवं शहरी क्षेत्र के समस्त मितानिन, स्वास्थ्य कार्यकर्ता एवं नागरिकगण उपस्थित थे।

कहीं डायपर की सुविधा ना बन जाए बच्चों के लिए परेशानी, हो सकते हैं ये साइड इफेक्ट

आज के इस दौर में बच्चों को डायपर पहनाने का चलन काफी ज्यादा बढ़ गया है। नवजात बच्चे को शुरुआत से ही डायपर पहनाया जाने लगा है। जबकि पहले के समय में मां-बाप छोटे बच्चों को सूती कपड़े के घर पर बने नैपी पैड पहनाया करते थे। हालांकि इनको बार-बार बदलना पड़ता था। इसी परेशानी को देखते हुए आजकल डायपर की सुविधा को अपनाया जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि डायपर की यह सुविधा बच्चों के लिए परेशानी का कारण बन सकती है। आपको इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि अपनी मेहनत बचाने और आसान उपायों को ढूढ़ने के चक्कर में आप अपने बच्चे के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ न करें। आज इस कड़ी में हम आपको बताने जा रहे हैं कि किस तरह डायपर के साइड इफेक्ट बच्चों को नुकसान पहुंचा सकते हैं। आइये जानते हैं...

इंफेक्शन हो सकता है

बच्चों की स्किन बड़ों की तुलना में काफी सेंसटिव होती है। ज्यादा लंबे समय तक डायपर के इस्तेमाल से इंफेक्शन होने की सम्भावना बनी रहती है। दरअसल, डायपर में कई तरह के कैमिक्लस होते हैं। साथ ही प्लास्टिक की एक तह भी होती है, जो गीलापन तो महसूस नहीं होने देती है लेकिन हवा पास न होने की वजह से ये इंफेक्शन की वजह बन सकती है।

टॉक्सिटी का कारण बन सकता है

डायपर केमिकल्स और सिंथेटिक चीजों से बनाए जाते हैं। शिशु को अधिक समय तक डायपर पहनाएं रखने से उन्हें नुकसान हो सकता है। कई लोग एक दिन में आठ से दस डायपर का इस्तेमाल करते हैं। खासकर रात को बार-बार उठने और बिस्तर गीला होने से बचने के लिए आप बच्चे को रातभर डायपर पहनाकर रखते हैं। इन कारणों से बच्चे की स्किन लंबे समय तक केमिकल्स के संपर्क में रहती है और इससे बच्चे के शरीर पर नुकसान हो सकता है। इससे शरीर में टॉक्सिटी बढ़ सकती है।

बच्चे को टॉयलेट ट्रेनिंग देने में परेशानी

अपने बच्चे को हर समय डायपर पहनाए रखने से आपको उसे टॉयलेट ट्रेनिंग देने से परेशानी हो सकती है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि बच्चों को डायपर में पेशाब और पॉटी करने की आदत पड़ जाती है और पैरेंट के लिए भी यह सुविधाजनक होता है, हालांकि, बाद में जब आप अपने बच्चे को पॉटी कराने की कोशिश करती हैं, तो बच्चा रोता है, परेशान करता है। वैसे अच्छा यही होता है कि बच्चे को जल्दी ही टॉयलेट ट्रेनिंग देना शुरू कर दें।

बन सकता है मेल इनफर्टिलिटी का कारण

वैज्ञानिक बताते हैं कि डायपर का लगातार इस्तेमाल मेल इन्फर्टिलिटी यहां तक कि वृषण कैंसर का भी कारण बन सकता है। अमेरिका के पीडियाट्रिक्स जर्नल के अनुसार, आमतौर पर डायपर को हर 2-3 घंटे में बदल देना चाहिए। बच्चे को डायपर में कई घंटों तक लगातार नहीं रहने दें। डायपर गीला महसूस हो, तो बदल दें। यदि बच्चे को पॉटी हो गई है, तो डायपर को तुरंत बदल देना चाहिए। नया डायपर पहनाने से पहले बच्चे को हर बार साफ करना चाहिए। स्टडी के अनुसार, बच्चों की समस्या तब और बढ़ जाती है जब जरूरत से कम बार बच्चे का डायपर बदला जाता है।

एलर्जिक रिएक्शन

डायपर बनाने वाली कुछ कंपनियां इसे बनाते समय सिंथेटिक फाइबर, डाइज और केमिकल प्रोडक्ट का इस्तेमाल करती हैं। ये सभी हार्श केमिकल आपके बच्चे की नाजुक-कोमल त्वचा को नुकसान पहुचाकर उसे एलर्जी की समस्या दे सकते हैं। ऐसे में डायपर का चुनाव करते समय हमेशा सोफ्ट और स्किन फ्रेंडली मटेरियल से बने डायपर को चुनें।

स्किन रैशेज

लंबे समय तक गीले गंदे डायपर में रहने से डायपर में बैक्टीरिया पैदा होने लगते हैं जो त्वचा पर रैशेज और छाले पैदा कर सकते हैं। ऐसे में बच्चे को रैशेज से बचाने के लिए समय-समय पर बच्चे का डायपर बदलती रहें और उसकी साफ सफाई का भी ध्यान रखें।

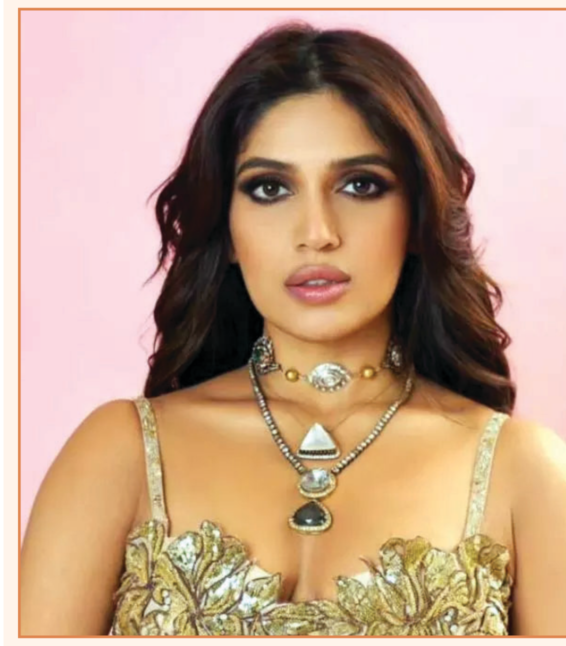

रिवीलिंग आउटफिट पहन भूमि पेडनेकर ने इंटरनेट पर बरपाया कहर, एक्ट्रेस ने कातिल अदाओं से फैंस के उड़ाए होश

बॉलीवुड एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर हमेशा अपने बोल्ड और स्टनिंग लुक्स के कारण सोशल मीडिया पर लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। उनका कातिलाना अंदाज इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लग जाता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनका स्टनिंग अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं। बी-टाउन की ग्लैमरस हसीना भूमि पेडनेकर हमएशा अपने बोल्ड और स्टनिंग लुक्स के कारण सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटौरती रहती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो फैंस के बीच छा जाती है।

अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने बेहद ही स्टाइलिश आउटफिट पहनकर फोटोशूट करवाया है। इन फोटोज में उनका किलर अंदाज देखकर फैंस बेकाबू हो गए हैं। भूमि पेडनेकर जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनकी फोटोज पर दिलखोलकर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हुए अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं। इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस ने सिल्वर कलर का चमकता हुआ रिवीलिंग गाउन पहना हुआ है, जिसमें वो कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक अंदाज में पोज देते हुए नजर आ रही हैं। खुले बाल, कानों में पर्ल इयररिंग्स और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। साथ ही उन्होंने अपनी हॉटनेस ने फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। भूमि पेडनेकर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर एक्ट्रेस की फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी तगड़ी है। ये ही नहीं उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तबाही मचाने लगता है।

बेहद स्टाइलिश है सास बहू और फ्लेमिंगो की बहू अंगिरा धर

तस्वीरें देख खुली रह जाएंगी आंखें

वेब सीरीज सास बहू और फ्लमिंगो में अंगिरा धर की एक्टिंग की खूब तारीफ हो रही है. वह बिंदास लाइफ जीती हैं. अंगिरा की रियल लाइफ फोटोज देख आपकी आंखें फटी रह जाएंगी. अंगिरा धर इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव रहती हैं और अक्सर अपनी लेटेस्ट फोटोज़ पोस्ट करती रहती हैं. वह बिंदास लाइफ जीती हैं. उनके इंस्टा प्रोफाइल से इस बात का अंदाजा लगाया जा सकता है. सास बहू और फ्लेमिंगो में अंगिरा राजस्थानी आउटफिट्स में नजर आई हैं, लेकिन रियल लाइफ में वह बेहद ग्लैमरस हैं. वेस्टर्न ड्रेस में उन्होंने अपनी कई सारी फोटोज पोस्ट की हैं, जिसमें वह बेहद हॉट लग रही हैं. हर लुक में अंगिरा धर कमाल की लग रही हैं. कई फोटोज में उन्होंने अपने परफेक्ट फिगर को फ्लॉन्ट किया है. उनकी कई तस्वीरें ऐसी हैं, जिन पर से आप अपनी नजरें हटा नहीं पाएंगे. वेब सीरीज सास बहू और फ्लमिंगो में अंगिरा धर की एक्टिंग को जमकर सराहा जा रहा है. अंगीरा धार एक भारतीय फिल्म अभिनेत्री है। वह वेब सीरिज बैंग बाजा बारात में अपने बेहतरीन अभिनय के लिए जानी जाती है। अंगीरा धार का जन्म मुंबई, महाराष्ट्र में हुआ है। उन्होंने अपनी पढाई मुंबई के स्कूल के से की है, और जेवियर इंस्टिट्यूट से कम्युनिकेशन की पढाई की है। धार ने अपने करियर की शुरुआत चैनल वी के जरिये टीवी प्रोडक्शन से की। इस दौरान उन्होंने प्रोडक्शन सेजुड़ी टेक्निकल स्किल्स, स्क्रिप्ट लिखना, एडिटिंग, शूटिंग आदि का अनुभव लिया। इसके अलावा उन्होंने कैमरे के पीछे बतौर असिस्टेंट निर्देशक के रूप में भी काम किया। टीवी प्रोडक्शन के अलावा अंगीरा कई टीवी कमर्शियल में भी नजर आयीं। वर्ष 2015 में उन्हें वाय फिल्म्स के तहत निर्मित बैंग बाजा बारात में फीमेल लीड की भूमिका ऑफर की गयी, इसमें उन्होंने एक इंडिपेंडेंट लड़की की भूमिका अदा की। बॉलीवुड में उन्होंने आनंद तिवारी निर्देशित फिल्म लव पर स्क्वायर फुट से कदम रखा, इस फिल्म में अंगीरा विक्की कौशल के अपोजित नजर आयीं थी।

सिमरन कौर का करंट मारे परफेक्ट पार्टी गाना है

अगर तुम ना होते की अभिनेत्री सिमरन कौर, जिनका म्यूजिक वीडियो करंट मारे आखिरकार रिलीज हो गया है, उन्होंने कहा है कि यह प्रोजेक्ट उनके लिए बहुत मायने रखता है। अभिनेत्री ने यह भी कहा कि ट्रैक करंट मारे एक परफेक्ट पार्टी गाना है। गाने में अपने ग्लैमरस लुक के बारे में बात करते हुए सिमरन ने कहा, गाने में मेरा बहुत अलग और ग्लैमरस लुक है, कुछ ऐसा जो मैंने पहले नहीं किया है।

यह एक डांस गाना है, संगीत बहुत ही आकर्षक और उत्साहित करने वाला है। मुझे इस वीडियो की शूटिंग में बहुत मजा आया।उन्होंने कहा: यह कुछ ऐसा है जो मैंने पहले नहीं किया है। यह अलग है क्योंकि जब भी आप कोई टीवी सीरियल करते हैं, तो यह अधिक पारंपरिक होता है, लेकिन यह एक बहुत ही नया अवतार है, और ग्लैमरस है। यह लुक के बारे में अधिक है जो अलग है। साथ ही, मुझे डांस करना बहुत पसंद है। इसलिए बहुत सारे लोग गाने में मेरे डांस मूव्स और मेरे एक्सप्रेशंस की सराहना कर रहे हैं। संगीत वीडियो के लिए अपने शूटिंग के अनुभव को साझा करते हुए, उन्होंने कहा: शूटिंग के दिन से दो से तीन दिन पहले प्रॉपर रिहर्सल की गई। हमने एक ही दिन में सब कुछ शूट किया। रिहर्सल केवल मेरे साथ शुरू हुई, लेकिन अंत में पूरे समूह को शामिल किया गया। रिहर्सल के लिए बैकग्राउंड डांसर्स को बुलाया गया था।हमने एक साथ डांस किया ताकि हम सब तालमेल बिठा सकें और यह सुनिश्चित कर सकें कि शूटिंग के दिन सब कुछ सुचारू रूप से चले और सभी को पता हो कि क्या करना है। नतीजतन, सभी ने बहुत प्रयास किया था। सभी परिधानों को काफी पहले से डिजाइन किया गया था। मेरा अनुभव शानदार था। यह मेरे द्वारा शूट किए गए सर्वश्रेष्ठ संगीत वीडियो में से एक है। बॉलीवुड के पेशेवरों के साथ काम करना बहुत अच्छा रहा, जिनमें फिरोज खान सर, जिन्होंने गीत का निर्देशन किया था, और मनोज लोबो सर, जो फोटोग्राफी के निदेशक थे, शामिल थे। ऐसे पेशेवरों के साथ काम करने से मुझे फायदा हुआ। उन्होंने कहा- यह एक कदम आगे बढ़ने जैसा है। और जब वह आपके काम को पसंद करते हैं और आपकी सराहना करते हैं, तो आपका आत्मविश्वास बढ़ता है और आप खुद को अगले स्तर पर ले जाते हैं। हर कोई अपने काम को लेकर बहुत उत्साहित था। शूटिंग के दौरान छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखा जाता था। अपनी भविष्य की परियोजनाओं के बारे में बात करते हुए, सिमरन ने कहा, पाइपलाइन में एक और संगीत वीडियो है, जिसे दुबई में शूट किया गया है और इसे जल्द ही रिलीज किया जाएगा।

खास खबर...

वन एवं राजस्व मंत्री ने नारायणपुर जिला अस्पताल का किया निरीक्षण

रायपुर। वन एवं जलवायु परिवर्तन, जल संसाधन, कौशल विकास, सहकारिता और संसदीय कार्य मंत्री केदार कश्यप और खेलकूद एवं युवा कल्याण, राजस्व, आपदा प्रबंधन एवं जिले के प्रभारी मंत्री टंकराम वर्मा द्वारा जिले के बद्रीनाथ बघेल जिला अस्पताल का निरीक्षण किया। मंत्रीद्वय ने महिला वार्ड का अवलोकन करते हुए मरीजों से उनका हाल चाल जाना और मरीजों के ईलाज के संबंध में जानकारी लेते हुए चिकित्सकों को बेहतर ईलाज करने के निर्देश दिये। इस अवसर पर कलेक्टर बिपिन मांझी, अपर कलेक्टर, सिविल सर्जन डॉ विनोद भोयर, डीपीएम राजीव बघेल, सर्व आदिवासी समाज के संरक्षक रूपसाय सलाम, बृजमोहन देवांगन सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने जगदलपुर में शहीद गेंद सिंह की प्रतिमा का किया अनावरण

रायपुर । उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने बस्तर जिले के बड़ाजी ग्राम में शहीद गेंद सिंह की प्रतिमा का अनावरण किया। इसके साथ ही उन्होंने 8 करोड़ तीन लाख के 9 विकास कार्यों का भूमि पूजन-लोकार्पण किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि हल्बा समाज के शहीद गेंद सिंह ने अंग्रेजों से लोहा लिया और क्षेत्र में अंग्रेजी शासन की नीतियों का विरोध किया। आज हम सभी युवा शहीद गेंद सिंह का स्मरण कर उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लें और समाज के उत्थान में अपना योगदान दें। कार्यक्रम को सांसद महेश कश्यप, विधायक चित्रकोट विनायक गोयल ने भी संबोधित किया। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि परलकोट जमींदारी के जमींदार गेंद सिंह ने मराठों और ब्रिटिश अधिकारियों के शोषण के विरुद्ध स्वतंत्रता आंदोलन का शंखनाद किया था। उनका उद्देश्य बस्तर को गुलामी से मुक्त कराना था। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने प्रधानमंत्री आवास योजना के 6 हितग्राहियों को आवास पूर्ण होने पर घर की प्रतीकात्मक चाबी सौंपी ।साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए स्वीकृत आदेश पत्र का हितग्राहियों को वितरण किया गया ।

महतारी वंदन योजना से बिखरी मुस्कान, सास-बहू के पारंपरिक रिश्ते को मिली नई पहचान

कोरबा। महतारी वंदन योजना छत्तीसगढ़ सरकार की एक अभिनव पहल है, जो महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के साथ ही उनका सामाजिक और पारिवारिक स्तर पर सम्मान बढ़ाने का कार्य कर रही है। यह योजना महिलाओं को वित्तीय सहायता प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बना रही है, जिससे वे अपने परिवार की बेहतरी के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लेने में सक्षम होती हैं। इस योजना का लाभ सिर्फ एक पीढ़ी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक परिवार के प्रत्येक सदस्य को लाभांवित करती है। इस योजना ने सास-बहू के पारंपरिक रिश्ते को भी एक नई दिशा दी है। जहाँ दोनों पीढियों को एक साथ आर्थिक मदद मिल रही है, वे दोनों एक-दूसरे की आगे बढकर मदद करती हैं और परिवार की आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाती हैं। जिससे परिवार में खुशी का संचार हो रहा है। कुछ ऐसी ही कहानी है पाली विकासखण्ड के जेमरा पंचायत के ग्राम बगदरा गांव के इतवारा बाई के परिवार की। ग्रामीण महिला इतवारा बाई और उनकी बहू ममता, महतारी वंदन योजना के तहत मिल रही राशि से अपने परिवार को स्थिरता दे रही हैं। ग्रामीण परिवेश में जीविकोपार्जन के लिए आवश्यक संसाधनों की कमी और अनियमित रोजी-मजदूरी के कारण परिवार की आर्थिक स्थिति खराब थी, जिससे घर का खर्च चलाना भी कठिन हो रहा था। योजना के तहत मिलने वाली राशि ने इतवारा बाई और ममता को अपने परिवार के स्वास्थ्य का ख्याल रखने के साथ ही दैनिक खर्चों को संभालने में मदद की। राशि के उचित उपयोग से वे अपने परिवार को सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा सहित अन्य लाभ दे रही है। उनकी मेहनत और योजना की मदद से अब परिवार की आर्थिक स्थिति सुधरी है। जिससे परिवार के जीवन स्तर को सुधार हुआ है और वे अब आत्मनिर्भर महसूस करती हैं और उनके परिवार में खुशहाली का माहौल है। इस योजना का सबसे बड़ा लाभ यह है कि सास और बहू, दोनों को एक साथ आर्थिक सहायता मिल रही है। इससे दोनों पीढियाँ न केवल एक-दूसरे के साथ मिलकर घर के खर्चों को सही तरीके से सम्हाल रही हैं, साथ ही उनके रिश्ते भी मजबूत हो रहे हैं। परिवार में खुशी का माहौल है, अब दोनों महिलाएँ घर के निर्णयों में बराबरी से हिस्सा ले रही हैं।

महंत बिसाहू दास उद्यानिकी महाविद्यालय में मशरूम उत्पादन पर सफल प्रयोग

श्रीकंचनपथ न्यूज

गौरेला पेंड्रा मरवाही। पेंड्रा क्षेत्र का वर्तमान तापमान ओएस्टर मशरूम उत्पादन के लिए बेहद अनुकूल है। इसे ध्यान में रखते हुए महंत बिसाहू दास उद्यानिकी महाविद्यालय जीपीएम के प्रथम वर्ष के छात्र-छात्राओं ने मशरूम उत्पादन के क्षेत्र में एक उल्लेखनीय प्रयास किया है। महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नारायण साहू के मार्गदर्शन और विषय अध्यापिका डॉ. चेतना जांगड़े के सहयोग से मशरूम उत्पादन का सफल प्रयोग किया गया।

सर्वप्रथम छात्रों ने ओएस्टर मशरूम (मशरूम का एक प्रमुख प्रकार) की खेती की, जिसमें सफेद और गुलाबी आयस्टर मशरूम की किस्मों का चयन किया गया। छात्रों ने धान के भूसे का उपयोग करके मशरूम के बैग तैयार किए। मशरूम उत्पादन के लिए सबसे पहले बैग भरने से एक दिन पहले ओएस्टर मशरूम के बीजों को गर्म पानी और फार्मलिन प्लस बाविस्टीन से निर्जर्मीकरण किया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ओएस्टर मशरूम का जीवन चक्र लगभग 25 से 30 दिन का होता है और इसका आदर्श तापमान 23 से 25 डिग्री सेंटीग्रेड होता है। धान का भूसा 4 रुपए प्रति किलो की दर पर मिलता है और प्रत्येक बैग में लगभग 50 ग्राम मशरूम बीज डाला जाता है। इस तरह से प्रति बैग की लागत 20 रुपये से भी कम आता है। एक बैग से लगभग डेढ़ से दो किलो मशरूम प्राप्त होते हैं। मशरूम उत्पादन आर्थिक रूप से लाभकारी व्यवसाय साबित हो सकता है। यह पहल न केवल छात्रों को कृषि विज्ञान में व्यावहारिक अनुभव प्रदान कराती है, बल्कि उनके लिए आर्थिक रूप से लाभकारी और पर्यावरणीय दृष्टि से भी अनुकूल है। महाविद्यालय की यह पहल आने वाले समय में मशरूम उत्पादन को एक प्रभावी और स्थिर व्यवसाय के रूप में स्थापित कर सकती है।

इस प्रयास में महाविद्यालय के अन्य प्राध्यापक डॉ. सोनल तिवारी सहायक प्राध्यापक आनुवांशिकी और पादप प्रजनन, डॉ. शुभम ठाकुर कृषि अर्थशास्त्र, डॉ. मुकेश पटेल किट विज्ञान, सुश्री गरिमा कोर्राम मृदा विज्ञान और डॉ. लक्ष्मी प्रसाद भरद्वाज सब्जी विज्ञान का भी सहयोग रहा है।

युवाओं के नेतृत्व क्षमता का विकास करता है युवा संसद : मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महिला एवं बाल विकास और समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े आज सूरजपुर जिले के ग्राम बतरा स्थित स्वामी आत्मानंद स्कूल में आयोजित जिला स्तरीय युवा संसद प्रतियोगिता कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। इस अवसर पर उन्होंने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि युवा संसद युवाओं के नेतृत्व क्षमता का विकास करता है।

युवा संसद के माध्यम से छात्रों को सरकार की कार्यप्रणाली को जानने और समझने का अवसर मिलता है। युवा संसद कार्यक्रम के माध्यम से राजनीति सीखकर आज कई नेता अच्छे मुकाम पर पहुंच चुके हैं। युवा संसद का उद्देश्य युवाओं को सशक्त बनाना और उन्हें लोकतंत्र में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित करना है, साथ ही सार्वजनिक मुद्दों पर विचार करने और अपनी राय बनाने के लिए भी प्रोत्साहित करना है।

मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने इस

अवसर पर विद्यालय के स्काउट गाइड के बच्चों से भी मुलाकात की और युवा संसद कार्यक्रम के सभी विजेताओं को प्रमाणपत्र प्रदान किए।

सामाजिक बुराईयों को दूर करना हम सब की जिम्मेदारी- साव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री अरुण साव आज बलौदाबाजार में जिला साहू संघ द्वारा आयोजित युवक-युवती परिचय सम्मेलन और सम्मान समारोह में शामिल हुए। उन्होंने इस दौरान झिरिया साहू समाज के नवनिर्मित छात्रावास का लोकार्पण किया।

साहू समाज छात्रावास का किया लोकार्पण, मंच निर्माण एवं पेवर ब्लॉक के लिए 25 लाख रुपए देने की घोषणा की

उन्होंने साहू स्मारिका, तेली दिवस पुस्तक एवं पूर्व जनपद पंचायत अध्यक्ष पवन साहू द्वारा तैयार कैलेंडर का विमोचन भी किया। श्री साव ने साहू छात्रावास में मंच निर्माण और पेवर ब्लॉक के लिए 25 लाख रुपए देने की घोषणा की। भाटापारा के विधायक इंद्र साव और कसडोल के विधायक संदीप साहू भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने युवक-युवती परिचय सम्मेलन को

मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए कहा कि साहू समाज मेहनतकश समाज है। साहू समाज के लोग ईमानदारी और मेहनत के लिए जाने जाते हैं। इसी की बदौलत आज साहू समाज हर क्षेत्र में अपना विशिष्ट योगदान दे रहा है। उन्होंने कार्यक्रम में साहू समाज के उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों को शॉल, श्रीफल और प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि अपनी संस्कृति को सहेजते हुए आधुनिकता की ओर समाज को लेकर जाना है। इसके लिए सामाजिक बुराईयों और कुप्रथाओं को दूर करते हुए शिक्षा पर जोर देने की ज़रूरत है। शिक्षित समाज से ही एक सशक्त राज्य और राष्ट्र का निर्माण हो सकता है। युवक-युवती परिचय सम्मलेन साहू समाज की प्रशंसनीय पहल है। कार्यक्रम को विधायक इंद्र साव और संदीप साहू ने भी संबोधित किया। प्रदेश साहू समाज के अध्यक्ष टहल सिंह साहू और बलौदाबाजार जिला साहू समाज के अध्यक्ष सुनील साहू सहित अनेक सामाजिक पदाधिकारी, गणमान्य नागरिक और जिला प्रशासन के अधिकारी भी कार्यक्रम में मौजूद थे।

सरकार का एक वर्ष का कार्यकाल उपलब्धि पूर्ण रहा

महतारी वंदन योजना किसी वरदान से कम नहीं- रत्नावली कौशल

श्रीकंचनपथ न्यूज

मुंगेली। भाजपा नेत्री एवं अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण छत्तीसगढ़ शासन की पूर्व सदस्य रत्नावली कौशल ने रायपुर स्थित सीएम हाउस में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से भेंट कर भाजपा सरकार का सफलतम एक साल पूरा होने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने ओबीसी वर्ग के आरक्षण को 50 प्रतिशत करने और किसानों से व्यवस्थित धान खरीदी के लिए मुख्यमंत्री साय का आभार भी व्यक्त किया।

भाजपा नेत्री रत्नावली कौशल ने मुख्यमंत्री से कहा कि आपके सुशासन तथा सरकार कि पूर्णत: पारदर्शी एवं भ्रष्टाचार मुक्त कार्यप्रणाली का व्यापक असर पूरे प्रदेश में चारों ओर नजर आ रहा है। महतारी वंदन योजना हम माता बहनों के लिए किसी वरदान से कम नहीं हैं। एक हजार रुपए की जो मान राशि सरकर हर माह दे रही है,वह आड़े वक्त में माता बहनों के बहुत काम आ रही है। वे अपने बच्चों की पढ़ाई पर आने वाले खर्च की भरपाई कर रही हैं, उनमें बचत की प्रवृत्ति भी बढ़ी है। कई माता बहनें इस राशि से छोटा मोटा व्यवसाय भी करने लगी हैं, इसके लिए राज्य की महतारियों और बहनों की ओर से आपका वंदन है। रत्नावली कौशल ने धान खरीदी का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को बताया कि भाजपा के चुनावी वादे के मुताबिक 31 सौ रुपए प्रति क्विंटल तथा प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदी एवं धान की राशि का समय पर भुगतान हो जाने से किसान बहुत खुश हैं। सभी खरीदी केंद्रों में बारदाने भी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध होने से न तो खरीदी में परेशानी हो रही है, भंडारण में। रत्नावली ने कहा कि त्वरित राशि भुगतान से किसान अपने विवाह योग्य बेटे बेटियों की सगाई, शादी की अच्छी तरह से कर पा रहे हैं। किसान बड़े खुश हैं। कांग्रेस नेताओं के दुष्प्रचार का वे मौके पर ही जवाब देने लगे हैं। इसके अलावा रत्नावली कौशल ने अन्य पिछड़ा वर्ग के आरक्षण में वृद्धि को भी सराहनीय कदम बताते हुए सुगम धान खरीदी और आरक्षण प्रतिशत बढ़ाने पर मुख्यमंत्री साय का आभार भी व्यक्त किया।

स्वास्थ्य कर्मियों के लिए बनेंगे आवास, बेहतर होगी स्वास्थ्य सुविधाएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। जिले में सेवाएं देने वाले स्वास्थ्य कर्मचारियों को जल्दी ही उनके कार्यस्थल के आसपास आवास उपलब्ध हो पायेगा। सुदूरवर्ती क्षेत्रों के अस्पतालों में वे समय पर उपस्थित हो पायेंगे और मरीजों को समय पर बेहतर उपचार कर पायेंगे। जिला प्रशासन द्वारा जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने की दिशा में कार्य प्रारंभ कर दिया गया है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर कलेक्टर अजीत वसंत ने जिले के सुदूरवर्ती क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं को और बेहतर बनाने की दिशा में कदम उठाया है। उन्होंने दूरस्थ क्षेत्रों के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में आवास बनाने की स्वीकृति प्रदान की है। पहले चरण में कुल 18 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में आवास निर्माण किया जाएगा। इसके लिए लगभग नौ करोड़ की राशि का स्टीमेट तैयार किया गया है। आवास बनने के पश्चात दूरस्थ

क्षेत्र के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में डयूटी कर रहे चिकित्सकीय कर्मियों को आवास की समस्या से नहीं जूझना पड़ेगा।

जिले में संचालित पीएचसी में आवास की व्यवस्था होने से चिकित्सकीय कर्मचारियों को काफी राहत मिलेगी। प्राथमिक स्वास्थ्य केद्र लाफा, सपलवा, कोरबी, सिरमिना, लालपुर और माचाडोली, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भैसमा कुदमुरा, तिलकेजा, कोरकोमा, करतला ब्लॉक के चिकनीपाली, सरगबुंदिया, कटघोरा ब्लॉक के चाकाबुड़ा, पाली विकासखण्ड के चैतमा, पोड़ी उपरोड़ा क्षेत्र के तुमान, कटोरीनगोई, पिपरिया, महोरा में आवास का निर्माण जिला खनिज संस्थान न्यास के माध्यम से किया जाएगा। सीएमएचओ डॉ एस एन केशरी ने बताया कि चिकित्सक सहित अन्य स्टॉफ के ठहरने के लिए आवास की व्यवस्था की जा रही है। पीडब्ल्यूडी तथा ग्रामीण स्वास्थ्य यांत्रकी विभाग द्वारा आवस कर निर्माण कराया जाएगा। जिले के जिन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में आवास निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गई है, उसमें से अधिकांश दूरस्थ क्षेत्र के पीएचसी है। स्वास्थ्य केंद्र के नजदीक ही आवास उपलब्ध होने पर चिकित्सकों को वहां निवास करने में कोई समस्या नहीं आयेगी, वहीं चिकित्सकों के निवास करने से अस्पताल में स्वास्थ्य सुविधाएं और भी बेहतर बनेगी।

धमतरी पुलिस ने क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया

धमतरी। थाना क्षेत्र के अलग अलग ग्रामों के कुल 08 टीमों ने क्रिकेट प्रतियोगिता में लिया हिस्सा,सभी 08 टीमों को दिया गया 1-1 बेट। फाईनल मैच मेचका एवं ठेनही के मध्य हुआ, जिसमें मेचका कि टीम रही विजेता एवं उप विजेता ठेनही कि टीम रही। पुलिस अधीक्षक महोदय आंजनेय वार्ष्णेय के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र पांडेय के नेतृत्व में सामुदायिक पुलिसिंग के तहत धमतरी पुलिस,थाना मेचका द्वारा नक्सल क्षेत्र के ग्राम ठेनही में क्रिकेट प्रतियोगिता आयोजित किया गया था। जिसमें थाना क्षेत्र के अलग अलग ग्रामों के कुल 08 टीमों ने क्रिकेट प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। जिसमें मेचका कि टीम रही विजेता एवं उप विजेता ठेनही कि टीम रही। प्रथम विजेता टीम को 2100/- रुपये एवं द्वितीय ईनाम 1100/- रुपये,शिल्ड ट्राफी एवं सभी खिलाड़ियो को उत्साह वर्धन के लिए सभी टीम को बेट वितरण किया गया।

पोर्नोग्राफी-केस में फंसाने की धमकी देकर 54 लाख की ठगी, राजस्थान से पकड़ाए दो आरोपी

आरोपियों का अमेरिका, चाइना और यूरोप कनेक्शन, अलवर में सेलून का काम करते हैं शातिर

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर के रिटायर्ड अफसर को पोर्नोग्राफी और मनी लॉन्ड्रिंग केस में फंसाने की धमकी देकर 54 लाख 30 हजार रुपए की ठगी की है। सैलून में काम करने वाले और कॉलेज छात्रों ने खुद को श्वष्ठ अधिकारी बताकर धमकाया था। इसके बाद किस्तों में रिटायर्ड अफ्सर से रकम ली गई। ठगी में राजस्थान के अलवर के 3 युवक शामिल हैं। इनमें 2 आरोपी पकड़े गए हैं, जबकि एक फरार है। साइबर ठगों के गैंग का उत्तरी अमेरिका, चाइना और यूरोप कनेक्शन होने का भी पता चला है। एसटीडी क्रिप्टोकरेंसी में इन्वेस्ट कर ठगी के पैसों को सुरक्षित किया है।

एसपी रजनेश सिंह ने बताया कि सिविल लाइन क्षेत्र के अज्ञेयनगर निवासी 71 वर्षीय जय सिंह चंदेल रिटायर्ड अफ्सर हैं। बीते जुलाई में उनसे ठगी हुई है। आरोपियों ने 20 दिन के भीतर अलग-अलग किस्तों में रुपए ट्रांसफर कराए। इसके बाद भी फंसाने की धमकी देते रहे। आखिरकार परेशान होकर उन्होंने रेंज थाने में शिकायत दर्ज कराई। स्त्रढ्क्र दर्ज करने के बाद पुलिस ने जब जांच शुरू की। मोबाइल कॉल्स की तकनीकी जांच की, तब आरोपियों के राजस्थान के अलवर से कॉल करने की जानकारी मिली। बैंक अकाउंट्स सहित अन्य डिटेल्स निकाल कर जांच की गई। पुलिस की टीम ने अलवर और हरियाणा में डेरा डाला, तब 2 युवकों को गिरफ्तार किया।

सैलून में काम करते हैं आरोपी, डिप्लोमा इंजीनियरिंग की पढ़ाई

अलवर में आरोपियों के ठिकाने में दबिश देकर पुलिस ने कोतवाली थाना क्षेत्र के फैमिली लाइन स्क्रीम नंबर 3 निवासी निकुंज कुमार और शिवाजी पार्क विजय मंदिर रोड साबह जौहड़ा निवासी लक्ष्य सैनी (20) को पकड़ लिया। दोनों आरोपी सैलून में काम करते हैं और पॉलिटेक्निक में डिप्लोमा की पढ़ाई कर रहे हैं। एक के पिता टेंट हाउस चलाते हैं और दूसरे के कुरियर कंपनी में काम करते हैं। दोनों आरोपियों के बैंक अकाउंट में ठगी के पैसे ट्रांसफर किए गए हैं। दोनों के अकाउंट में 9-9 लाख रुपए ट्रांसफर किए गए हैं। इनका तीसरा साथी गौरव अभी फरार है। पुलिस के अनुसार इस मामले में और भी गिरफ्तारियां हो सकती हैं।

लोगों को फर्जी एफआईआर भेजकर बनाते हैं शिकार

पुलिस अफसरों ने बताया कि ठगों ने रिटायर्ड अफ्सर नीरज को उनके मोबाइल से पोर्न वीडियो भेजे जाने की बात कहकर धमकाया। इसके साथ ही उनके मोबाइल पर वॉट्सऐप के जरिए एक फर्जी एफआईआर की प्रति भेजी और कहा कि मुंबई पुलिस मामले की जांच कर रही है। मुंबई पुलिस का अधिकारी विनायक बनकर उन्हें फोन से धमकाया गया। ठगों ने कहा कि मुंबई में एक व्यक्ति के घर 274 एटीएम कार्ड मिले हैं, जिसमें से एक उनके नाम का है। इसकी जांच अब ईडी कर रही है। झांसे में लेकर अलग-अलग किस्तों में पैसे ट्रांसफर करा लिए।

अकाउंट्स से पुलिस ने की 23 लाख रुपए की रिकवर

ठगी के इस केस में अब तक पुलिस ने हरियाणा के सिरसा जिले के ऐलनाबाद के शेरवानी क्षेत्र निवासी विजय, राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले के सरदुलशहर के अमित जालप, श्रीगंगानगर के सदर थाना क्षेत्र के निखिल सैनी को गिरफ्तार कर चुकी है। उनके अकाउंट्स से 23 लाख रुपए रिकवर कर चुकी है। रिटायर्ड अफसर से ठगी करने वाले इस गैंग के आरोपी निखिल सैनी ने ठगी के पैसों को अपने वॉट्सऐप ग्रुप के माध्यम से उत्तरी अमेरिका, चाइना और यूरोप के अपने संपर्क सूत्र से ज्यादा रकम देकर यूएसडीटी क्रिप्टो करंसी खरीदता था और ठगी के पैसों को सुरक्षित करता था। इस यूएसडीटी को तय राशि से कम में इंटरनेशनल प्लेटफॉर्म पर बेचकर धोखाधड़ी के पैसे से अपनी महंगी जरूरतों को पूरा करता था।

बिलासपुर एसपी रजनेश सिंह ने कहा कि साइबर ठग आए दिन नए-नए तरीकों के जरिए लोगों से धोखाधड़ी करने का प्रयास करते हैं। कोई भी व्यक्ति अनजान नंबर से अपने आप को पुलिस का अधिकारी, सीबीआई या श्वष्ठ का अधिकारी बताकर ठगी करने का प्रयास करते हैं। ऐसे कॉल से सावधान रहें।

खास खबर

रायपुर में सट्टा खिलाते 2 युवक गिरफ्तार: एंटी क्राइम यूनिट की टीम ने घेराबंदी कर की छापेमारी कैश समेत अन्य सामान्य जब्त

रायपुर। रायपुर में सट्टा खिलाते दो युवक गिरफ्तार हुए हैं। एंटी क्राइम यूनिट को खुफिया सूचना मिली थी, जिसके बाद आरोपियों की घेराबंदी करके रेड मारा गया। इस मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को जुआ एक्ट में जेल भेजा है। यह वारदात राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र की है।

एंटी क्राइम यूनिट को सूचना मिली की न्यू राजेंद्र नगर क्षेत्र स्थित मेडिसिन अस्पताल के पास कुछ व्यक्ति सट्टा का संचालन कर रहे हैं। इसके बाद पुलिस अफसरों के निर्देश में पुलिस टीम को मौके में आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए रवाना किया गया। रेड कार्रवाई के दौरान 2 व्यक्ति उपस्थित पाए गए, जो सट्टा पट्टी के माध्यम से सट्टा संचालित कर रहे थे। पूछताछ में व्यक्तियों ने अपना नाम पवन मंगलानी और गोपाल धामेचा होना बताया। इस दौरान पुलिस ने जिस पर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से सट्टा पट्टी, पेन और 5 हजार रुपए जब्त किया गया। आरोपियों के खिलाफ न्यू राजेन्द्र नगर थाना में स्त्रढ्क्र दर्ज कर जुआ प्रतिषेध अधिनियम के तहत जेल भेजा गया है।

शादी का झांसा देकर युवक ने नाबालिग लड़की के साथ किया दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

रायगढ़। खरसिया थाना क्षेत्र में शादी का झांसा देकर युवक ने नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म किया। मामले की शिकायत पीड़िता ने थाने में दर्ज कराई। पीड़िता की शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है।

जानकारी के अनुसार, पीड़ित बालिका के परिजनों ने खरसिया थाने पहुंचकर मामले की रिपोर्ट लिखाई है। इसके बाद खरसिया थाना प्रभारी निरीक्षक कुमार गौरव ने महिला उप निरीक्षक दीपिका निर्मलकर से बालिका का विस्तृत कथन कराया गया, जिसमें बालिका ने बताया कि कार्तिक जायसवाल से जान पहचान है। जुलाई 2024 से शादी का वादा कर शारीरिक शोषण कर रहा है।

पीड़िता ने बताया कि उसके माता-पिता के काम पर जाने के बाद अकेली पाकर आरोपी ने कई बार जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाया और अब शादी से इनकार कर रहा है। पीड़िता की शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 64(2) एम,65(1) बीएनएस, 6 पॉक्सो एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर आरोपी कार्तिक जायसवाल (26) को गिरफ्तार कर रिमांड पर भेजा गया है।

ड्यूटी के दौरान शराब के नशे में प्रधान आरक्षक, अपशब्द बोलने का आरोप, लाइन अटैच

रायपुर। रायपुर में एक प्रधान आरक्षक को ड्यूटी के दौरान शराब के नशे में रहना भारी पड़ गया। एसएसपी संतोष सिंह ने अभनपुर थाने के एक आरक्षक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। प्रधान आरक्षक नशे के हालत में ड्यूटी कर रहे थे। उनके ऊपर अपशब्दों का प्रयोग करने का आरोप है, जिससे प्रधान आरक्षक संतोष कोसरिया को निलंबित कर दिया गया है। उन्हें लाइन अटैच कर रक्षित केन्द्र भेजा गया।

धर्म परिवर्तन के दबाव में युवक ने की खुदकुशी, वाट्सएप स्टेटस में मिला सुसाइड नोट, चार आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में एक युवक खुदकुशी कर ली। बताया जा रहा है कि युवक पर उसकी पत्नी, सास व साली धर्मांतरण के लिए दबाव बना रहे थे। इसके कारण उसने खुदकुशी कर ली। सूचना पर जब पुलिस जांच के लिए पहुंची तो मृतक युवक के मोबाइल स्टेटस पर सुसाइड नोट मिला है। फिलहाल पुलिस इस पूरे मामले की जांच कर रही है। मामला अर्जुनी थाना इलाके के पाटियाडीह गांव का है। वही इस मामले में अर्जुनी पुलिस ने मृतक की पत्नि करूणा साहू, सास गौरी साहू, ससुर राजकुमार साहू और डेढ़ सास किरण साहू को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

मिली जानकारी के अनुसार लीनेश साहू (30) ने रविवार की सुबह अपने घर में फांसी लगा ली। परिजनों ने जब देखा तो हड़कंप मच गया। आनन फानन में इसकी सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू की तो मृतक का मोबाइल मिला। मोबाइल की जांच में स्टेटस मिला। स्टेटस में मृतक लीनेश साहू ने फांसी लगाने का कारण लिखा। पुलिस ने मोबाइल जब्त कर शव को पीएम के लिए भेजा। पुलिस हर एंगल से जांच कर रही है। युवक के मोबाइल में अपडेट किए स्टेटस के बारे में भी पूछताछ की जा रही है।

बीवी परेशान था लिनेश

मरने से पहले युवक ने स्टेटस में लिखा कि मैं अपनी बीवी से परेशान हो गया हू मेरे को धर्म परिवर्तन करने के लिए बहुत ज्यादा परेशान करती है ईशा मसीह ईशा मसीह करके मेरे को रात भर परेशान करती है ससुराल जाता हूं तो उसकी मां उसकी बड़ी बहन उसकी छोटी बहन सब मुझे धर्म परिवर्तन के लिए बहुत ज्यादा परेशान करते है बोलते है तू आ जा फिर तेरे मां पापा को भी मना लेंगे करके इसलिए वहा कभी खाना नही खाया पहले से ही वो लोग झूठ बहुत ज्यादा बोले है 8वीं कक्षा तक पढ़ी है और 12वीं बताई बहुत ज्यादा ही झूठ बोलते है वो लोग मैं हफ्ता में जितना कमाता हूं मेरी बीवी को दे रहा था तो बोली मुझे हफ्ता में 500 बस चाहिए करके तो उतना ही दे रहा था। न ही कभी प्यार से बात नही करती।

हर-हर महादेव लिखकर फंदे पर झूला 8वीं का छात्र, हाथ पर सुसाइट नोट

दंतेवाड़ा के भांसी थाना क्षेत्र का मामला

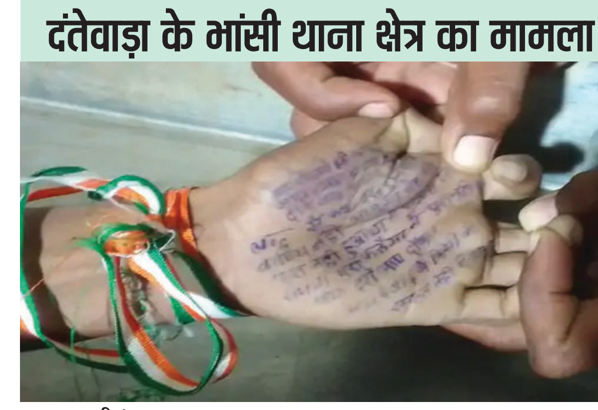

श्रीकंचनपथ न्यूज

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में 8वीं कक्षा में पढ़ने वाले एक छात्र ने सुसाइड कर लिया है। छात्र के हाथ में सुसाइड नोट भी लिखा मिला। जिसमें लिखा है कि, आज के बाद शक्ल नहीं दिखाऊंगा। इसके अलावा हाथ में ओम नम: शिवाय और हर-हर महादेव के साथ ही लिखा कि, मेरी जिंदगी आज यहीं समाप्त हो गई। दोबारा इस दुनिया में नहीं आऊंगा। मेरा काम पूरा नहीं हुआ था।

जानकारी के मुताबिक, पोटा केबिन के रूम में छात्र की पंखे से लटकती लाश मिली। छात्र ने गमछा का फंदा बनाकर खुदकुशी की है। इसके पास से मिले सुसाइड नोट में पढ़ाई में कमजोर होने की बात भी लिखी है। अब पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। मामला भांसी थाना क्षेत्र का है।

पोटाकेबिन में रहकर कर रहा था पढ़ाई

जानकारी के मुताबिक, मृत छात्र का नाम घासीराम बारसा है। ये जिले के अंदरूनी इलाके कुंदेली गांव का रहने वाला था। भांसी के पोटाकेबिन में रहकर 8वीं कक्षा में पढ़ाई कर रहा था। वहीं उसने शनिवार की देर रात पोटाकेबिन के ही एक रूम में फांसी लगाकर अपनी जान दे दी।

रूम में ही लगा ली फांसी

जान देने से पहले उसने स्कूल का यूनिफॉर्म पहना। फिर गमछा का फंदा बनाया। गमछे को पंखे से बांधा। रूम में रखी अलमारी पर चढ़ा और पंखे से झूल गया। जिस समय उसने फांसी लगाई उस समय रूम में 3-4 छात्र और थे। हालांकि वे गहरी नींद में सोए हुए थे। इस दौरान एक छात्र सुबह करीब 3 से 4 बजे के बीच बाथरूम के लिए उठा और उसने कमरे की लाइट जलाई, तो अपने साथी को पंखे से झूलता हुआ देखा। फिर इसकी जानकारी पोटा-केबिन के अन्य स्टाफ को दी गई। जिसके बाद सुबह ही विभाग के अफ्सर मौके पर पहुंचे। छात्र के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए जिला अस्पताल लाया गया।

पुलिस कर रही जांच

वहीं इस मामले में भांसी पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है। मामले की जांच की जा रही है। छात्र के पास से सुसाइड नोट और हाथों में लिखे कारणों की जांच भी की जा रही है। थाना प्रभारी सखा राम मंडावी का कहना है कि हर पहलुओं से जांच कर रहे हैं।

खाते में मंगाया ठगी का पैसा, भिलाई पहुंची मुंबई की पुलिस

- भिलाई के ट्रांसपोर्टर से 47 हजार रुपए जब्त, आरोपी पकड़ने अंबिकापुर जाने की तैयारी

भिलाई श्रीकं। महाराष्ट्र पुलिस ने ऑनलाइन फ्रॉड के मामले में भिलाई निवासी आम्रपाली अपार्टमेंट निवासी ट्रांसपोर्टर कमलजीत सिंह के घर पर छापेमारी की। बताया जा रहा है कि कमलजीत के पास से 47 हजार 668 रुपए जब्त किया गया है। फिलहाल कमलजीत को नोटिस पर छोड़ा है। उसे मुंबई के पाइधूनी थाने में बुलाया गया।

महाराष्ट्र के मुंबई जिला अंतर्गत पाईधूनी से एसआई गोकुल खेरना हेडकांस्टेबल विलास और एक अन्य पुलिसकर्मी के साथ शनिवार रात जामुल थाने पहुंचे थे। उन्होंने जामुल थाना प्रभारी कपिल पाण्डेय को बताया कि वह लोग ऑनलाइन ठगी के मामले में एक आरोपी को पकड़ने आए हैं।

इसके बाद रविवार दोपहर महाराष्ट्र और जामुल पुलिस ने आम्रपाली अपार्टमेंट निवासी कमलजीत सिंह के घर में छापेमारी की। वहां से कमलजीत सिंह को गिरफ्तार कर थाने लाया गया। पूछताछ में आरोपी कमलजीत सिंह ने ये जुर्म कबूल किया कि उसके करंट अकाउंट में रुपए आए थे। महाराष्ट्र पुलिस ने रात 10.22 बजे उनके पास से रुपए जब्त कर आईपीसी की धारा 35(3) का नोटिस देते हुए उनके बेटे मनकीरत की सुपुर्दगी में छोड़ा।

अंबिकापुर जाएगी पुलिस

पूछताछ में कमलजीत सिंह ने बताया कि अपना करंट अकाउंट अंबिकापुर निवासी रोहित गुप्ता को दिया था। उसके एवज में उसे कुछ रकम मिली थी। रोहित ने उस अकाउंट का उपयोग कर उसमें ऑनलाइन ठगी का पैसा मंगवा लिया। पुलिस रोहित को पकड़ने अंबिकापुर जाएगी।

दो हादसों में दो की मौत, पिकनिक मनाकर लौट रहा पिकअप दुर्घटना का शिकार

कोरबा जिले के अलग अलग थाना क्षेत्रों में हुए हादसे

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। छत्तीसगढ़ का कोरबा जिला दो भीषण हादसों से दहल उठा है। पहला मामला कटघोरा थाना अंतर्गत जटगा चौकी के ग्राम घुमानीडांड़ के हरमोड का है। जहां तेज रफ्तार पिकअप अनियंत्रित होकर पलट गई। इस हादसे में एक साल साल की मासूम की बच्ची मौत हो गई है। तो वहीं 25 लोग घायल हो गए। साथ की हालत बेहद गंभीर बनी हुई है।

बताया जा रहा है कि बनखेता ग्राम पंचायत के कांसामार के लोग पिकअप में सवार होकर बुका पिकनिक मनाने गए हुए थे। रविवार की रात पिकनिक मनाकर वापस लौट रहे थे। इस दौरान बजटगा चौकी के ग्राम घुमानीडांड़ के हरमोड मोड़ के पास पिकअप अनियंत्रित होकर पलट गई। जहां इस घटना के बाद हड़कंप मच गया। राहगीरों की भीड़ वाहन में फंसे लोगों को बाहर से निकालने में जुट गई।

वहीं सूचना पर पहुंची 112 की टीम 108 ने माध्यम से सभी घायलों को कटघोरा स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। इस हादसे में 25 लोग घायल हुए हैं। जिसमें एक की मौत हो गई और साथ की हालत गंभीर बनी हुई है। जिन्हें जिला मेडिकल कॉलेज के लिए रवाना किया गया।

कटघोरा से अम्बिकापुर में मार्ग पर दर्दनाक सड़क हादसा

वहीं दूसरा मामला भी कोरबा का है। एनएच130 कटघोरा से अम्बिकापुर में मार्ग पर दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। घटना देर रात की है। जहां ट्रक ने बाइक सवार को रौंद डाला। मौके पर एक की मौत हो गई। दो की हालत बेहद गभीर बनी हुई है। जिन्हें 112 माध्यम से कटघोरा स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। वहीं दो की हालत गंभीर बनी हुई है। जिन्हें डॉक्टर ने रेफर कर दिया है।

बताया जा रहा है कि घटना के बाद नेशनल हाइवे में वाहनों की लंबी कतार लग गई। वहीं इसकी सूचना कटघोरा थाना पुलिस को दी गई। जहां मौके पर पहुंच घटनाक्रम की जानकारी लेते हुए आवागमन को बाहर कराया। पुलिस ने कार्यवाही शुरू करते हुए बाइक सावर मृतक की पहचान तानाखार के रहने वाले लक्ष्मी दास पिता हरमन दास के रूप में की गई। वहीं घायल भुवनेश्वर और सुरेश अगरिया पिता शिव अगरिया की की हालत गंभीर बनी हुई है। सिर और हाथ पर चोट आई है।

बताया जा रहा है कि बाइक मृतक लक्ष्मी चला रहा था। वहीं पीछे बैठे दोनों घायल हो गए। इस हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। मृतक और उसके मित्र किसी पारिवारिक कार्यक्रम में गए हुए थे। जहां से अपने घर वापस लौट रहे थे और यह हादसा हो गया। कटघोरा पुलिस की मानें तो इस मामले में मामला दर्ज कर आगे की जांच करवाई की जारी है। वहीं आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे की मदद से वाहन का पताशाजी की जा रही है।

मुख्यमंत्री साय व्हाइट कोट सेरेमनी में हुए शामिल, एमबीबीएस के नव प्रवेशी स्टूडेंट्स ने ली चिकित्सा आचार संहिता की शपथ

चिकित्सा क्षेत्र युवाओं के लिए एक अच्छा कैरियर होने के साथ लोगों की सेवा करने का भी मिलता है अवसरः मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सांसद रहने के दौरान दिल्ली का नॉर्थ एवेन्यू स्थित मेरा आवास छत्तीसगढ़ और क्षेत्र के मरीजों व परिजनों के लिए दूसरा घर था। उपचार के लिए दिल्ली जाने वाले मरीज वहीं रहकर अपना इलाज करवाते थे। लोग मुझसे कहते थे कि आपका घर मिनी एम्स है। मरीजों की सेवा मेरे लिए सबसे ज्यादा रुचि का कार्य था और यह कार्य मुझे सबसे अधिक संतुष्टि प्रदान करती है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने श्री रावतपुरा सरकार इंस्टीट्यूट ऑफमेडिकल साइंसेस एंड रिसर्च सेंटर द्वारा आयोजित व्हाइट कोट सेरेमनी को संबोधित करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री साय ने इस अवसर पर एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहे सभी छात्रों को मरीजों की सेवा के इस कार्य से जुड़ने के लिए अपनी शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी, विधायक इंद्र कुमार साहू और रविशंकर जी महाराज सहित मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर, डॉक्टर और छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। कॉलेज के डीन डॉ. कुंदन ई. गेडाम ने एमबीबीएस पाठ्यक्रम में प्रवेश कर रहे छात्र-छात्राओं को चिकित्सा आचार संहिता की शपथ दिलाई।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मेडिकल साइंस युवाओं के लिए एक अच्छा कैरियर होने के साथ-साथ लोगों की सेवा करने का अवसर भी प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि जीवन सबसे अमूल्य निधि है और आप लोग अच्छे इलाज से लोगों को संजीवनी प्रदान करते हैं, इसलिए लोग डॉक्टर को भगवान की तरह मानते हैं। उन्होंने कहा कि आप सभी पूरे सेवाभाव के साथ अपना कार्य करें, इससे जो दुआएं मिलेंगी, उससे आपके जीवन में और भी सुख-समृद्धि आयेगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस दौरान अंबेडकर अस्पताल के विस्तार और 700 बेड अस्पताल के निर्माण के लिए 231 करोड़ रुपए जारी किए जाने की भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अस्पताल भवन के तैयार हो जाने के बाद अंबेडकर अस्पताल की क्षमता 2 हजार मरीजों की हो जाएगी।

उन्होंने बताया कि प्रदेश में एमबीबीएस के साथ ही पीजी की सीट भी बढ़ाने के लिए कार्य किये जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने रायगढ़ मेडिकल कॉलेज में प्रसूति एवं स्त्रीरोग तथा चर्मरोग की पीजी सीट आरंभ करने के निर्णय की भी जानकारी दी। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि हमारे 10 शासकीय मेडिकल कॉलेज के साथ ही यहां निजी क्षेत्र के मेडिकल कॉलेज भी प्रदेश में मेडिकल एजुकेशन को मजबूत करने और होनहार डॉक्टरों की नई पीढ़ी तैयार करने में मजबूत भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में छत्तीसगढ़ में मेडिकल एजुकेशन का जितना विस्तार हुआ, उतना पहले कभी नहीं हुआ था, इसका सीधा असर प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं में दिखने लगा है।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी का पुण्य स्मरण करते हुए कहा कि उन्होंने छत्तीसगढ़ को एम्स की सौगात दी, जो न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि आसपास के इलाकों के मरीजों के लिए भी चिकित्सा सुविधा का बड़ा केंद्र बनकर उभरा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मेरे सांसद रहने के दौरान दिल्ली स्थित मेरा आवास जैसे मरीजों और उनके परिजनों के लिए हमेशा खुला रहता था, वैसे ही आज प्रदेश के मुखिया होने के नाते कुनकुरी सदन के माध्यम से सेवा का यह कार्य आज भी लगातार जारी है।

मुख्यमंत्री ने बालक-बालिका छात्रावास भवन का किया वर्चुअल लोकार्पण

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रावतपुरा सरकार इंस्टीट्यूट ऑफमेडिकल साइंस एंड रिसर्च के वाइट कोर्ट सेरेमनी के दौरान मेडिकल कॉलेज के छात्र-छात्राओं के लिए नवनिर्मित छात्रावास भवन का वर्चुअल लोकार्पण किया। उन्होंने छात्रावास भवन के लिए मेडिकल के सभी छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं दी। गौरतलब है कि श्री रावतपुरा सरकार इंस्टीट्यूट आफमेडिकल साइंसेस के छात्र- छात्राओं के लिए नवीन छात्रावास भवन का निर्माण कराया गया है, जिसमें 120 सीट बालिकाओं तथा 100 सीट बालकों के लिए बनाया गया है।

मरीजों को सटीक और त्वरित उपचार मिल सकेगा

उन्होंने इस अवसर पर कहा कि नई सुविधाओं के द्वारा मरीजों को सटीक और त्वरित उपचार मिल सकेगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने हॉस्पिटल के कर्मचारियों और डॉक्टरों से बातचीत की और उनकी कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल न केवल क्षेत्रीय जरूरतों को पूरा करेगा, बल्कि आसपास के मरीजों को भी अत्याधुनिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराएगा। एमआरआई और सीटी स्कैन जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होने से जटिल बीमारियों का पता लगाने और इलाज करने में सहूलियत होगी। इमरजेंसी यूनिट का शुभारंभ आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं को तेज और प्रभावी बनाएगा।उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेज क्षेत्र के युवाओं को चिकित्सा शिक्षा के लिए बेहतर अवसर प्रदान करेगा और लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिलेगा।

आप सभी अच्छे डॉक्टर बनेंगे : स्वास्थ्य मंत्री

स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल ने मेडिकल के विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि आप सभी अच्छे डॉक्टर बनेंगे। इस व्यवसाय में सेवा प्राथमिक है, रोजगार का स्थान बाद में आता है। आप सभी सेवा मानकर इस व्यवसाय से जुड़ेंगे तो प्रदेश को सदैव इसका लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य के क्षेत्र में निजी संस्थानों की स्थापना से सरकार के उद्देश्यों की पूर्ति में भी बड़ा सहयोग मिलेगा। मंत्री श्री जायसवाल ने प्रदेश में चिकित्सा शिक्षा, स्वास्थ्य आधोसंरचनाओं और स्वास्थ्य के क्षेत्र में राज्य सरकार के प्रयासों की भी जानकारी साझा की।

रावतपुरा सरकार इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस के नवीन भवन का किया लोकार्पण

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने नवा रायपुर में रावतपुरा सरकार इंस्टीट्यूट ऑफमेडिकल साइंसेस के नवीन भवन का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर मेडिकल कॉलेज के विभिन्न विभागों और अत्याधुनिक क्लासरूम का अवलोकन किया और यहां मौजूद सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने एनाटॉमी म्यूजियम, डिसेक्शन हॉल, लैब, कम्युनिटी मेडिसीन डिपार्टमेंट सहित कई अन्य विभागों में अध्ययन-अध्यापन का कामकाज देखा। मेडिकल कॉलेज के भ्रमण के दौरान उन्हें जानकारी दी गई कि यहां अत्याधुनिक तकनीक और संसाधन उपलब्ध कराए गए हैं, जिससे छात्र गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त कर सकेंगे। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रावतपुरा सरकार इंस्टीट्यूट ऑफमेडिकल साइंसेस हॉस्पिटल में विभिन्न चिकित्सा इकाइयों का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने 650 बिस्तरीय अस्पताल में मौजूद स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने हॉस्पिटल में नवीन सीटी स्कैन, एमआरआई यूनिट, डायलीसिस यूनिट और आपातकालीन चिकित्सा यूनिट का शुभारंभ किया। श्री रावतपुरा सरकार इंस्टीट्यूट आफमेडिकल साइंसेस एंड रिसर्च में मेडिकल की पढ़ाई के लिए 150 सीट उपलब्ध है। इस वर्ष से ही मेडिकल कॉलेज का प्रथम सत्र प्रारंभ हुआ है।

डॉक्टर बनकर प्रदेश का नाम रोशन करें : ओपी चौधरी

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि आज चिकित्सा शिक्षा में प्रवेश कर रहे आप सभी छात्र-छात्राएं अपने माता-पिता के साथ प्रदेश का भी नाम रोशन करेंगे। भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में आपका योगदान होगा। हमारे युवाओं का डंका राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय स्तर पर बज रहा है। वित्त मंत्री ने कहा कि हम नवा रायपुर को सर्विस सेक्टर के ग्रोथ हब के रूप में स्थापित करेंगे। हमारी सरकार हेल्थ केयर डेस्टिनेशन के रूप में रायपुर को स्थापित करने का प्रयास कर रही है, जिससे प्रदेश के लोगों को उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें।

हमारी सरकार पीएम नरेन्द्र मोदी की गारंटी को पूरा करने तथा सुशासन स्थापित करने के लिए दृढ़ संकल्पितः मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज राजनांदगांव जिले के गायत्री विद्यापीठ स्कूल में एकल अभियान अभ्युदय यूथ क्लब संभाग स्तरीय खेलकूद के समापन समारोह में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रतियोगिता में एक पक्ष जीतता है, तो दूसरा पक्ष हारता नहीं है, बल्कि दूसरे पायदान पर आ जाता है। उन्होंने कहा कि आदिवासी बच्चों को ग्रामीण क्षेत्रों में एकल अभियान अभ्युदय यूथ क्लब के माध्यम से बहुत लाभ मिल रहा है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने गायत्री विद्यापीठ स्कूल के खेल मैदान के सौंदर्यीकरण के लिए 20 लाख रूपए देने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारी सरकार प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी को पूरा करने तथा सुशासन स्थापित करने के लिए दृढ़ संकल्पित है। उन्होंने कहा कि महतारी वंदन योजना के तहत प्रदेश के 70 लाख महिलाओं को प्रतिमाह 1000 रूपए दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना, तेंदूपत्ता बोनस एवं विभिन्न योजनाओं से हितग्राहियों को लाभान्वित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में भ्रष्टाचार को दूर करने के लिए विशेष तौर पर कार्य किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने छत्तीसगढ़ के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे स्कूली बच्चों, विजेता प्रतिभागियों एवं एकल अभियान परिवार को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि उन्हें समाचार पत्रों के माध्यम से पता चला कि बिलासपुर में एक रिक्शा चालक की बिटिया पर्वतारोहण के लिए अफ्रीका के किलीमंजारो जाना चाहती है, उसे तत्काल पौने चार लाख रूपए की आर्थिक सहायता देकर समस्या का समाधान किया गया। वही एक श्रमिक की बिटिया बैडमिंटन की प्रतिभावान खिलाड़ी है, उसे भी सहायता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि संसाधन की कमी नहीं होगी और प्रदेश के खिलाड़ियों को शासन द्वारा हरसंभव मदद दी जाएगी। ओलंपिक में छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों द्वारा स्वर्ण पदक प्राप्त करने पर 3 करोड़ रूपए, रजत पदक में 2 करोड़ रूपए और कांस्य पदक में एक करोड़ रूपए की राशि प्रदान की जाएगी।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय बहुत परिश्रमी रहे हैं तथा उन्होंने जशपुर में पैदल चलकर तथा कठिन परिस्थितियों में पढ़ाई की है। आप में से भी कोई कठिन परिश्रम से मुख्यमंत्री विष्णु देव साय बन सकते हैं। उन्होंने कहा कि परिश्रम की पराकाष्ठा तक जाइए, आपका सफल होना सुनिश्चित है।

इस अवसर पर सांसद संतोष पाण्डेय सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कर्मचारी, एकल विद्यालय एवं यूथ क्लब के सदस्य, खिलाड़ी बच्चे उपस्थित थे।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज संस्था समाज को संस्कारी और सेवाभावी बनाने का कर रही है कार्य - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री साय ने राजनांदगांव में नवनिर्मित ब्रह्माकुमारीज ज्ञान मानसरोवर भवन का किया उद्घाटन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज राजनांदगांव में नवनिर्मित ब्रह्माकुमारीज ज्ञान मानसरोवर भवन के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज संस्था अपनी मेहनत से समाज को संस्कारी और सेवाभावी बनाने जुटी है। वर्तमान समय बहुत भाग-दौड़ का समय है ऐसे में तनाव होना भी स्वाभाविक है। यह तनाव लोगों को शारीरिक, मानसिक रूप से कमजोर करता हैं। ऐसे समय में प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज संस्था द्वारा राज मार्ग राजयोग का ध्यान बताया गया है, जिससे निश्चित रूप से लाभ मिलता है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राजनांदगांव में ब्रह्माकुमारीज ज्ञान मानसरोवर भवन से लोगों को लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि नियमित रूप से ध्यान करने वाले व्यक्ति शांत और धीर गंभीर होते हैं। प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज संस्था द्वारा मेडिटेशन का कार्यक्रम चलाया जा रहा है जो मानवता की सच्ची सेवा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र संघ को 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाने का प्रस्ताव दिया जिसके महत्व को स्वीकार करते हुए आज पूरी दुनिया में 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाया जाता है। विश्व में योग को स्थापित करने का श्रेय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को जाता है। उन्होंने कहा कि कोई भी अच्छी सरकार लोगों के विकास की चिन्ता करती ही है, लेकिन अध्यात्मिक कल्याण के लिए लगातार कार्य करना लोगों के हित में होता है।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की सरकार ने श्री रामलला दर्शन योजना शुरू की है, जिससे प्रदेश के 20 हजार से अधिक श्रीराम भक्त पिछले एक वर्ष में श्री रामलला दर्शन योजना का लाभ ले चुके हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 5 शक्तिपीठों को जोड़कर तीर्थ यात्रा की शुरूआत की जाएगी।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज पूरी दुनिया में सेवा भाव से कार्य करती है। ब्रह्माकुमारीज के विश्व के 145 देशों में 8000 से अधिक सेवा केन्द्र संचालित है। संयुक्त राष्ट्र संघ और यूनिसेफ जैसे वैश्विक संगठन के साथ मिलकर विश्व शांति के अभियान में ब्रह्माकुमारीज संस्था कार्य कर रही है। ब्रह्माकुमारीज संस्था को संयुक्त राष्ट्रसंघ द्वारा पांच बार शांतिदूत पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है।

डायरेक्टर ब्रह्माकुमारीज अम्बावाड़ी सब जोन अहमदाबाद राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी शारदा दीदी ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह संस्था व्यक्ति के गुण, चरित्र एवं संस्कारों को परिष्कृत करती है।

उल्लेखनीय है कि राजनांदगांव में नवनिर्मित ब्रह्माकुमारीज ज्ञान मानसरोवर राजयोग मेडीटेशन ट्रेनिंग सेंटर है, जो सर्व सुविधाओं से परिपूर्ण है। यहां एक बहुत बड़ा सभागार का निर्माण किया गया है, जिसकी बैठक क्षमता तीन हजार है। इस भवन में बहुत बड़ा भोजनालय, रसोईघर तथा कम से कम 300 लोगों की ठहरने की व्यवस्था भी है। यहां एक बहुत बड़ा ध्यान कक्ष भी बनाया गया है।

वन मंत्री कश्यप ने ग्राम बेनूर में 8 करोड़ 42 लाख रुपए की निर्माण कार्यों की दी सौगात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वनमंत्री केदार कश्यप ने नारायणपुर जिले के ग्राम बेनूर में लगभग 8 करोड़ 42 लाख रुपए की लागत से निर्मित विभिन्न विकास कार्यों की सौगात दी। कार्यक्रम में राजस्व मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री टंकराम वर्मा भी शामिल हुए। वन मंत्री कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सुशासन में किसानों को 3100 रूपये में धान खरीदी, तेंदूपत्ता 5500 रूपये मे, प्रधानमंत्री आवास योजना, नलजल योजना, महतारी वंदन योजना आदि से लाभांवित किया जा रहा है।

उन्होंने कार्यक्रम में क्षेत्र की जनता की मांग पर नयानार में नाली निर्माण, बेनूर में कलार समाज के लिए 15 लाख रूपये का भवन निर्माण, बेनूर में जिला सहकारी बैंक खोलने, सरकारी कर्मचारियों के लिए आवास, बाजार स्थल पर धान खरीदी चबूतरा निर्माण करने, बेनूर में 50 सीटर कन्या छात्रावास खोलने, मावली माता मंदिर में अहाता निर्माण, तुरठा के आश्रित गांव में सड़क निर्माण, यादव और मुरिया समाज भवन बनाने की घोषणा की।

राजस्व मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री टंकराम वर्मा ने कहा कि प्रदेश के 18 लाख हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास, महतारी वंदन, नल जल योजना जैसे विभिन्न योजनाएं संचालित किए जा रहे है। बस्तर अंचल के युवाओं को सकारात्मक गतिविधियों से जोड़ने के लिए बस्तर ओलंपिक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सर्व आदिवासी समाज के संरक्षक श्री रूपसाय सलाम, पूर्व सरपंच श्री बेनूर नारायण मरकाम सहित अनेक पंचायत प्रतिनिधि उपस्थित थे।

वन मंत्री और खेल मंत्री ने निक्षय निरामय छत्तीसगढ़ कार्यक्रम का किया शुभारंभ

रायपुर। वन एवं जलवायु परिवर्तन, जल संसाधन, कौशल विकास, सहकारिता और संसदीय कार्य मंत्री केदार कश्यप और खेलकूद एवं युवा कल्याण, राजस्व, आपदा प्रबंधन एवं जिले के प्रभारी मंत्री टंकराम वर्मा ने आज नारायणपुर में निक्षय निरामय छत्तीसगढ़ कार्यक्रम अभियान का शुभारंभ किया। मंत्री द्वय द्वारा नारायणपुर जिले में निक्षय कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील करते हुए निक्षय निरामय छत्तीसगढ़ प्रचार-प्रसार रथ को हरी झंड़ी दिखाकर रवाना किया। उल्लेखनीय है कि निक्षय निरामय छत्तीसगढ़ कार्यक्रम के अंतर्गत अगले 100 दिनों तक राज्य में टीबी, कुष्ठ और मलेरिया के मरीजों की पहचान की जाएगी और उनका उपचार सुनिश्चित किया जाएगा। योजना में राज्य के वृद्धजनों का भी स्वास्थ्य जांच और उपचार शामिल है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950